राष्ट्रीय संस्कृति निधि | संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखाओं का विवरण

वर्ष 2020-21 के लिए

प्राक्कथन

राष्ट्रीय संस्कृति निधि चुनौतीपूर्ण अप्रत्याशित महामारी में भी लगाए गए अथक प्रयासों के साथ दूसरे सफल वर्ष–2020–21 में पीछे देख सकता है। यह संतोष का विषय है कि एनसीएफ ने नई पहलों को अनुकूलित किया और अपने कार्यकलापों को आगे बढ़ाया तथा पहले के प्रयासों को मजबूत किया।

भारत की संस्कृति सबसे पुरानी एवं अद्वितीय संस्कृतियों में से एक है और यहां एक विस्मयकारी सांस्कृतिक विविधता है, जिसका परिणाम धर्म, भाषा, वास्तुकला, परम्परा एवं रीति–रिवाज की अद्वितीय बहुलता है। कला एवं विरासत देश के विश्वास, मानकों, मूल्यों और परिद्रश्यों को प्रदर्शित करता है। इस जागरूकता के कारण भारतीय विरासत का विशेष महत्व है और यह निःसंदेह रक्षण, परिरक्षण एवं सुरक्षा के योग्य है। भारतीय कला, संस्कृति एवं विरासत का प्रभाव एवं महत्व इस तथ्य से स्पष्ट है कि यूनेस्को ने उत्कृष्ट मूल्य के कारण अब तक 40 भारतीय स्थलों को सूचीबद्ध किया है।

एन सी एफ सांस्कृतिक निधियन का एक नवाचारी प्रतिमान है, जो भारत की संपन्न सांस्कृतिक विरासत के प्रवर्धन एवं परिरक्षण में संस्थानों और व्यक्तियों को सीएसआर या अन्यथा के अंतर्गत साझेदारी बनाकर अपनी सही भूमिका निभाने में समर्थ बनाता है और मूर्त्त एवं अमूर्त्त संस्कृति के संरक्षण, परिरक्षण और विकास में योगदान देता है।

चूँकि हम आजादी का 75 वर्ष और भारत के लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के आयोजन एवं संस्मरण के लिए आजादी का अमृत महोत्सव में प्रवेश कर रहे हैं, एनसीएफ आने वाले वर्षों में भारतीय विरासत एवं संस्कृति के परिरक्षण की दिशा में निष्ठापूर्वक सहयोगात्मक कार्यों का सतत पता लगाने का पुनः आश्वासन देता है।

विषय सूची

1) राष्ट्रीय संस्कृति निधि का परिचय 1
2) दानकर्ता को लाभ 2
3) राष्ट्रीय संस्कृति निधि का उद्देश्य 2
4) प्रबंधन, प्रशासन एवं संरचना 2
5) 2020–21 की मुख्य विशेषताएं 4
5.1) 2020–21 के दौरान कार्यकारी समिति की बैठक 4
5.2) कॉर्पस निधि 4
5.3) वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना 4
5.4) 2020–21 में पूर्ण परियोजनाए 4
क) एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ 4
क) अशोक स्तंभ, कोल्हुआ, बिहार में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं 4
ख) कन्हेरी गुफाएं, मुंबई, महाराष्ट्र में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं 5
ग) वृहदेश्वर मंदिर, थंजावुर, तमिलनाडु का प्रदीप्तन 5
घ) जैसलमेर किला के लिए स्थल प्रबंधन योजना की तैयारी 6
5.5 2020–21 में एनसीएफ की नई पहलें 6
क) एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ 6
क-1) सिन्गोरगढ़ किला एवं सम्बद्ध स्थलों, दमोह, म.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं 6
क-2) लखनऊ रेसीडेंसी, उ.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं एवं प्रदीप्तन 6
क-3) अनंत शयन, भगवान विष्णु, धेनकनल, उड़ीसा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं 6
क-4) मन्सर, महाराष्ट्र के प्राचीन अवशेषों पर पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं 7
क-5) मंदिर समूह, पत्तादकल, कर्नाटक में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं एवं प्रदीप्तन 7
क-6) गोलकुंडा किला, हैदराबाद, तेलंगाना में फलक प्रदीप्तन 7
ख) विष्णु मंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह, बातेश्वर, जिला मोरेना, म.प्र. में मठ के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए एएसआई–एनसीएफ–इन्फोसिस प्रतिष्ठान परियोजना 7
6) चालू परियोजनाएं : 2020–21 8
6.1) परियोजनाओं की सूची 8
6.2) चालू परियोजनाओं का विवरण 9
क) निष्पादन कलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण 9
ख) एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ के अंतर्गत राष्ट्रीय स्मारकों एवं स्थलों का उन्नयन एवं अनुरक्षण 10
क. खजूराहो समूह मंदिर, म.प्र. 10
ख. भोगानंदीश्वर मंदिर, बंगलुरू, कर्नाटक 10
ग. सी कैथेड्रल, गोवा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास 10
ग) राजा दिनकर केलकर संग्रहालय, महाराष्ट्र के नए भवन का संरक्षण 11
घ) लोधी मकबरा, नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण 11
ङ) लौरिया नंदनगढ़, बिहार में अवसंरचना एवं अन्य सुविधाओं का विकास 11
च) कृष्णा मंदिर, हम्पी, कर्नाटक का विकास 12
छ) हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली, हिमाचल प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का सुधार 12
ज) आलमबाज़ार मठ, कोलकाता, पश्चिम बंगाल का नवीकरण, पुनर्निर्माण 13
झ) इब्राहिम रौज़ा का बागीचा एवं गोल गुम्बज़, बीजापुर, कर्नाटक का पुनर्जीवन 13
ञ) विक्रमशिला, बिहार के स्मारकों के समूह का परिवेश संरक्षण एवं विकास 14
ट) प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास 14
ठ) अहोम स्मारक, असम का संरक्षण 15
ड) हज़ारद्वारी राजमहल, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल का उन्नयन 15

ढ़) रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर, पुष्कर, राजस्थान के लिए डी पी आर की तैयारी 16
ण) भुलेश्वर मंदिर, पुणे, महाराष्ट्र का संरक्षण एवं विकास 16
त) पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी, हैदराबाद, तेलंगाना का संरक्षण और पुनः उपयोग 17
थ) नालंदा स्थल संग्रहालय, बिहार के लिए डी पी आर की तैयारी 17
द) सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय, वाराणसी, उ.प्र. का उन्नयन 18
ध) राष्ट्रीय स्मारकों में चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन 19

7) लेखा परीक्षा रिपोर्ट 2020–21 22
8) लेखा परीक्षक का रिपोर्ट 28
9) फॉर्म 10 29
10) तुलन पत्र 34

1) राष्ट्रीय संस्कृति निधि का परिचय

राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ) की स्थापना दिनांक 28 नवम्बर, 1996 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित गजट अधिसूचना के माध्यम से धर्मार्थ अक्षय निधि अधिनियम, 1890 के अंतर्गत न्यास के रूप में भारत सरकार, संस्कृति विभाग (अब संस्कृति मंत्रालय) द्वारा की गई थी।

यह अनुभव किया गया है कि संस्कृति पर खर्च व्यर्थ का खर्च नहीं है, वरन् मानव एवं सामाजिक विकास के लिए योगदान है। हमारे देश में भूतकालीन संस्कृति के वृहत् अवशेष को भारत में सांस्कृतिक वित्त पोषण के प्रतिमानों में उपयुक्त समायोजन एवं नवाचार द्वारा सर्वोत्तम तरीके से परिरक्षित किया जाना है। अतः कारपोरेट की सामाजिक जिम्मेवारी और हमारे विरासत संसाधनों की सततता के बीच संयोजन का पता लगाना महत्वपूर्ण हो गया है। चूंकि देश का लक्ष्य अपने विरासत संसाधनों को बनाए रखने का प्रयास है, कारपोरेट क्षेत्र सतत् विरासत प्रबंधन और परिरक्षण की प्रक्रिया में एक भागीदार और प्रेरक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

सांस्कृतिक परिरक्षण के लिए सामाजिक मांग उपलब्ध सरकारी संसाधनों को पीछे छोड़ चुका है और अतः इसे सरकारी एजेंसियों का निजी एजेंसियों के साथ सक्रिय भागीदारी से पूरा किया जाना है। हमारे संविधान में उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सरकार ने हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं परंपराओं के रक्षण, परिरक्षण, अनुरक्षण एवं विकास के लिए सतत प्रयास किए हैं।

एन सी एफ सांस्कृतिक निधियन का एक नवाचारी प्रतिमान है, जिसकी परिकल्पना संस्कृति से संबंधित प्रयासों के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी बनाकर लोगों का बौद्धिक एवं वित्तीय दोनों सहयोग प्राप्त करने के लिए एक व्यवस्था के रूप में की गई है। एन सी एफ अपने संरक्षण के अंतर्गत अधिकृत कार्यकलापों के लिए भारतीय संसद और दानकर्ताओं के प्रति अंतर्निहित जिम्मेदारी में सम्मिलित है। व्यापक रूप में,

एनसीएफ की परिकल्पना निगमित और सार्वजनिक क्षेत्र, गैर–सरकारी संगठनों और राज्य सरकारों के साथ भागीदारी और सहभागिता में कार्य करने के लिए की गई है, जिससे वे मूर्त और अमूर्त संस्कृति और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के संरक्षण, परिरक्षण और विकास के प्रति योगदान कर सकें।

सी एस आर के तहत् एन सी एफ के जरिए परियोजनाओं का निधियन इस बात की मान्यता देता है कि कारपोरेट सामाजिक जिम्मेवारी केवल अनुपालन ही नहीं है, उन पहलों के समर्थन की प्रतिबद्धता है, जो प्रमुखतः राष्ट्रहित में पहलों को पर्याप्त रूप से सुधारता है। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 और कंपनी (कारपोरेट सामाजिक जिम्मेवारी नीति) नियम, 2014 के तहत् यथा अधिसूचित अनेक फोकस क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपदा के परिरक्षण के लिए सी एस आर निधियन को सी एस आर नीति के निम्नलिखित खंड में कवर किया जा सकता है –

'ऐतिहासिक महत्व के भवनों एवं स्थलों और कला वस्तुओं के परिरक्षण सहित राष्ट्रीय विरासत, कला एवं संस्कृति का रक्षण; सार्वजनिक पुस्तकालयों की स्थापना; परम्परागत कला एवं हस्तशिल्प का संवर्धन एवं विकास।"

इसके साथ–साथ एन सी एफ अंतर–विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने, नई वीथिकाओं एवं संग्रहालयों के सृजन और सांस्कृतिक कार्यकलापों में कौशल वर्धक व्यावसायिक प्रशिक्षण देने/आयोजन करने का प्रयास कर रहा है।

इन विविध पहलों, कार्यक्रमों और विचारों के जरिए एन सी एफ भारत की संपन्न सांस्कृतिक संपदा (मूर्त्त और अमूर्त्त दोनों) के परिरक्षण, संरक्षण और अनुरक्षण के विशेष संदर्भ के साथ विरासत जागरूकता को बढ़ाना और इसका नेतृत्व करना चाहता है और भारत की विरासत के ज्ञान एवं प्रशंसा के प्रसार के लिए प्रयास कर रहा है।

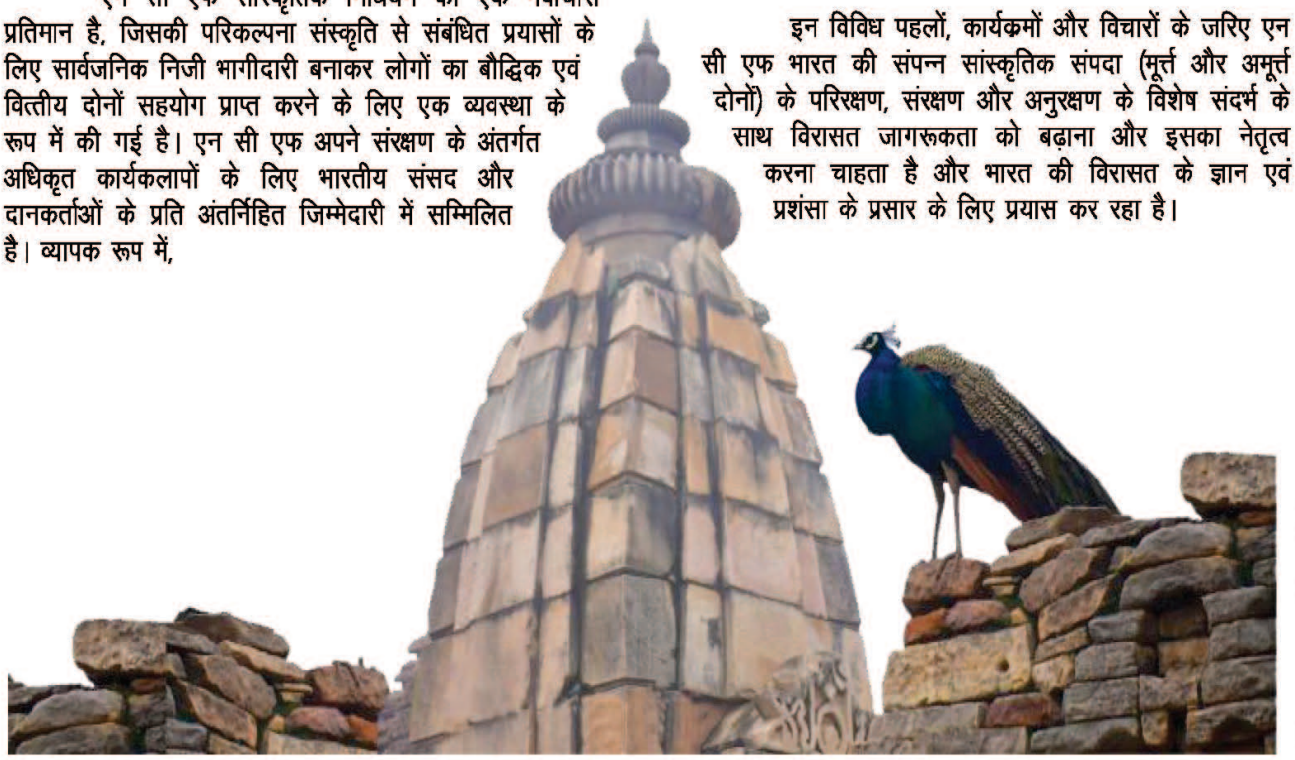

2) दानकर्ता को लाभ

एन सी एफ के साथ भागीदारी के लिए आगे आने वाले दानकर्ता को जैसा कि नीचे उल्लिखित है, अनेक लाभ हैं :

1) राष्ट्रीय संस्कृति निधि हेतु दान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 जी (ii) के अंतर्गत 100 प्रतिशत कर छूट का पात्र है।

2) एनसीएफ आयकर छूट के लिए रसीद जारी करता है और दानों के उपयोग का विस्तृत लेखा देता है।

3) प्रत्येक परियोजना के खाते का विवरण एन सी एफ के खाते में समन्वित होता है, जिसका वार्षिक आधार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षा की जाती है।

4) एनसीएफ के अंतर्गत दानकर्ता के लिए निधियन की किसी विशिष्ट पहलू और परियोजना के निष्पादन के लिए एक एजेंसी की पहचान सहित एक मूर्त या अमूर्त परियोजना या एक स्मारक की पहचान करना संभव है।

5) परियोजना को एक संयुक्त परियोजना कार्यान्वयन समिति (पी आई सी) के माध्यम से कियान्वित और मॉनीटर किया जाता है, जिसमें एन सी एफ, कार्यान्वयन एजेंसी और दानकर्त्ता का एक प्रतिनिधि हो।

6) प्रत्येक विकास स्थल पर पट्टिका लगाने का प्रावधान किया गया है जो दानदाताओं, सहयोगकर्ताओं तथा भागीदारों के आभार को सुगम बनाता है।

7) प्रत्येक परियोजना के लिए एक अलग संयुक्त बैंक खाता होता है, जो एन सी एफ के प्रतिनिधि तथा दानदाता/निधियन एजेंसी के प्रतिनिधि द्वारा परिचालित होता है।

3) राष्ट्रीय संस्कृति निधि के उद्देश्य :

1) संरक्षित स्मारकों या अन्य स्मारकों के संरक्षण, अनुरक्षण, संवर्धन, रक्षण, उन्नयन एवं विकास के लिए निधियां जुटाना एवं उसका उपयोग करना।

2) सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासतों के पुनर्वास के लिए कलात्मक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी समस्याओं पर अनुसंधान एवं अध्ययन शुरू करना।

3) सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में व्यावसायिकों एवं स्टाफ कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।

4) कलात्मक प्रयत्नों के सभी स्वरूपों, विशेषकर कलाओं में नवाचारी प्रयोगों को, संरक्षित करना एवं बढ़ावा देना।

5) विद्यमान संग्रहालयों में अतिरिक्त जगह बनाना तथा नवीन एवं विशिष्ट वीथिकाएं सृजित करने या समाहित करने हेतु नए संग्रहालय का निर्माण करना।

6) समाज के सांस्कृतिक विकास एवं प्रगति को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय, नगर–निकायों अथवा क्षेत्रीय स्तर पर रणनीतियां बनाना।

7) सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के संवर्धन एवं परिरक्षण में संलग्न संगठनों, सरकारी या गैर–सरकारी संस्थाओं को संसाधन उपलब्ध कराना।

8) भारत एवं अन्य देशों के बीच अनुबंधित सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों के दायरे में स्वदेशी विशेषज्ञता और मानव संसाधन तथा कार्यकलापों के विकास हेतु अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना।

9) विरासतों के संरक्षण के लिए परियोजनाओं या किसी अन्य गतिविधि के लिए कम ब्याज पर, यहां तक कि ब्याज रहित ऋण के लिए निधि उपलब्ध कराना।

4) प्रबंधन, प्रशासन एवं संरचना

राष्ट्रीय संस्कृति निधि का प्रबंधन एक परिषद एवं कार्यकारी समिति के द्वारा किया जाता है। परिषद के अध्यक्ष माननीय संस्कृति मंत्री हैं। कार्यकारी समिति की अध्यक्षता सचिव, संस्कृति मंत्रालय द्वारा की जाती है।

परिषद की अधिकतम सदस्य संख्या चौबीस की है, जिसमें अधिकतम उन्नीस प्रख्यात सदस्य निगमित एवं सार्वजनिक क्षेत्र, निजी प्रतिष्ठानों एवं गैर लाभकारी संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वालेहैं।

परिषद (कार्यकाल–सितंबर 2018–21)		
1	माननीय संस्कृति मंत्री	अध्यक्ष (पदेन)
2	सचिव (संस्कृति)	सदस्य (पदेन)
3	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय	सदस्य (पदेन)
4	संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
5.	महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	सदस्य (पदेन)
6	उप सचिव/निदेशक , संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य सचिव (पदेन)
7.	श्री एस.एम. गर्ग	सदस्य
8.	श्री सुशील चंद्र त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त)	सदस्य
9.	पद्म श्री डॉ. आर.एस. बिष्ट	सदस्य
10.	श्री दिवय गुप्ता	सदस्य
11.	सुश्री देविका	सदस्य
12.	डॉ. सव्यसाची मुखर्जी	सदस्य
13.	डॉ. भरत शर्मा	सदस्य
14.	श्रीमती ज्योत्स्ना सुरी	सदस्य
15.	श्री नकुल आनंद	सदस्य
16.	श्री दिलीप चेनोय	सदस्य
17.	श्री ओमवीर सिंह त्यागी	सदस्य
18.	श्रीमती किरण नदार	सदस्य
19.	श्री विशाल गोयल	सदस्य
20.	श्री पद्म कुमार जे.आर.	सदस्य
21.	श्री विपिन मल्हान	सदस्य
22.	श्री टी.एन. चौरसिया	सदस्य
23.	श्री विनोद फोतेदार	सदस्य
24.	श्री मनीष त्रिपाठी	सदस्य

कार्यकारी समिति (कार्यकाल–सितंबर 2018–21)		
1	सचिव (संस्कृति)	अध्यक्ष (पदेन)
2	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय	सदस्य (पदेन)
3	संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
4	महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	सदस्य (पदेन)
5	उप सचिव/निदेशक , संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य सचिव (पदेन)
6.	श्री एस.एम. गर्ग	सदस्य
7.	श्री सुशील चंद्र त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त)	सदस्य
8.	डॉ. भरत शर्मा	सदस्य
9.	श्री नकुल आनंद	सदस्य
10.	श्री दिलीप चेनोय	सदस्य

5) 2020–21 की मुख्य विशेषताएं

5.1) 2020–21 के दौरान कार्यकारी समिति की बैठक

08.07.2020 को आयोजित कार्यकारी समिति की 26वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया कि एनसीएफ राष्ट्रीय समुद्री विरासत परियोजना, लोथल, गुजरात को आबंटित रु. 1500 करोड़ की निधि प्रत्येक वर्ष 5 करोड़ की दर से बराबर किस्तों में 3 वर्ष में जारी करे।

5.1) कॉर्पस निधि

31 मार्च, 2021 (वित्त वर्ष 2020–21) को राष्ट्रीय संस्कृति निधि की वित्तीय स्थिति

31 मार्च, 2021 को एन सी एफ के पास उपलब्ध कुल राशि रु. 56.36 करोड़ है और इसमें शामिल है:

- प्रारंभिक कॉर्पस : रु. 19.50 करोड़
- द्वितीयक कॉर्पस: रु. 36.86 करोड़
- कुल कॉर्पस : रु. 56.36 करोड़

5.3) वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना

वित्त वर्ष 2019–20 के लिए वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखे बजट सत्र 2021 के दौरान राज्य सभा के पटल पर 19/03/2021 को लोक सभा के पटल पर 22/03/2021 को रखा गया।

5.2) 2020–21 में पूर्ण परियोजनाएं

क) एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ

एएसआई–एनसीएफ–इंडियन ऑयल कारपोरेशन और इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान (आईओएफ) परियोजना के अंतर्गत निम्नलिखित स्थलों के जीर्णाद्धार एवं विकास के कार्य को पूरा किया गया :

क) अशोक स्तंभ, कोल्हुआ, बिहार में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं

अशोक स्तंभ कोल्हुआ, वैशाली में स्थित एक ऐतिहासिक स्मारक है और यह वैशाली पुरातत्वीय अवशेष परिसर की भीतर स्थित है।

इस स्तंभ का बौद्धों के लिए बहूत ही महत्व है, क्योंकि यह वहीं स्थान है, जहॉ भगवान बुद्ध ने अपना अंतिम उपदेश दिया और अपने परिनिर्वाण की घोषणा की। इस स्तंभ को अत्यधिक पूर्णता से परिरक्षित किया गया है और यह अभी भी अक्षुण्ण है। यह अशोक द्वारा बनवाया गया प्रारंभिक छह एक चट्टानी स्तंभों में से एक है।

विवेचन केंद्र, कोल्हुआ, बिहार

अशोक स्तंभ, कोल्हुआ, बिहार

ख) कन्हेरी गुफाएं, मुंबई में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं

कन्हेरी गुफाएं संजय गॉधी राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों में गुफाओं और बड़े बेसाल्ट में कटा हुआ पत्थर के कटे हुए स्मारकों का समूह है। गुफा परिसर में पहली शताब्दी ईसा पूर्व से 10वीं शताब्दी ईसा के बीच बेसाल्ट पत्थर से बना हुआ एक सौ नौ गुफाएं हैं। कन्हेरी संस्कृत के कृष्णागिरी से आया है, जिसका अर्थ काला पहाड़ है।

कन्हेरी गुफाएं, मुंबई

ग) वृहदेश्वर मंदिर, थंजावुर, तमिलनाडु का प्रदीप्तन

11वीं सदी में निर्मित वृहदेश्वर मंदिर एक यूनेस्को विश्व विरासत स्थल है और विलक्षण दक्षिण भारतीय मंदिर स्थापत्य का एक उदाहरण है।

लगभग 250 फीट उॅचाई के मुख्य मंदिर का प्रदीप्तन पूरा हो चुका है। द्वारों और सम्बद्ध स्मारकों को भी प्रदीप्तित किया जा चुका है। लगभग 44 एकड़ के पूरे मंदिर परिसर को प्रदीप्तित किया गया है।

मुख्य मंदिर का फलक प्रदीप्तन 07.03.2021 को पूरा हुआ है।

प्रदीप्तित वृहदेश्वर मंदिर

(घ) जैसलमेर किले के लिए स्थल प्रबंधन योजना की तैयारी

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 22/01/2013

वित्तपोषक/भागीदार : एएसआई–एनसीएफ–विश्व स्मारक निधि (डब्ल्यू एम एफ)

परियोजना विवरण : मै. संरक्षण हेरिटेज कन्सलटेंट प्रा. लि. द्वारा एसएमपी की तैयारी

एसएमपी का मुख्य उद्देश्य स्थल के लिए निहित प्राधिकरण के अधिदेश के अनुरूप भविष्य में किले के विकास के लिए दिशा निर्देशों का सृजन है। एसएमपी का काम 2020 में पूरा हो गया।

5.5) 2020–21 में नई पहलें

एन सी एफ का प्राथमिक अधिदेश भारतीय विरासत एवं संस्कृति के परिरक्षण के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) की स्थापना एवं पोषण है और इसको सुदृढ़ करने के लिए एन सी एफ ने विभिन्न संगठनों के साथ नई भागीदारी का पता लगाना जारी रखा है।

क) एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ

इस प्रयास के भाग के रूप में एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ के अंतर्गत निम्नलिखित नई परियोजनाएं शुरू की गईं :–

क.1) सिन्गोरगढ़ किला एवं सम्बद्ध स्थलों, दमोह, म.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं

परियोजना को 03.03.2021 को अनुमोदित किया गया और माननीय राष्ट्रपति ने दिनांक 07.03.2021 को संरक्षण और विकास कार्य की आधारशिला रखी।

चिह्नित सुविधाएं –

- पर्यटक सुविधा केंद्र
- बड़ा तोरण द्वार, जलपान गृह, लकड़ी की रैलिंग
- पार्किंग, पर्यटक आश्रय, सौर उर्जा
- पगडंडी, प्रसाधन प्रखंड, बैठने का स्थान

क.2) लखनऊ रेसीडेंसी, उ.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं एवं प्रदीप्तन

(15.12.2020 को अनुमोदित)

चिह्नित सुविधाएं –

- विवेचन केंद्र
- स्मारक का फलक प्रदीप्तन
- बैटरी प्रचालित वाहन का प्रावधान
- पगडंडी प्रदीप्तन

लखनऊ रेसीडेंसी

क.3) अनंत शयन, भगवान विष्णु, धेनकनल, उड़ीसा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं
(15.12.2020 को अनुमोदित)

चिह्नित सुविधाएं –

- बाढ़ के पानी के क्षरण से मूर्ति की रक्षा के लिए पत्थर से चिने हुए चाहर दिवारी का विस्तार, चौड़ा करना
- दर्शकों के लिए चाहर दिवारी पर सुरक्षित रैलिंग के साथ पगडंडी
- भूचित्रण, पर्यटकों के लिए बैठने का स्थान
- वर्षा आश्रय स्थल, प्रसाधन प्रखंड, पेयजल

अनंत शयन, भगवान विष्णु, धेनकनल, उड़ीसा

क.4) मन्सर, महाराष्ट्र में प्राचीन अवशेषों में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं
(15.12.2020 को अनुमोदित)

चिह्नित सुविधाएं –

- विवेचन केंद्र
- जलपान गृह
- पगडंडी, बैठने का स्थान, कूड़ादान
- डीजी सेट, सौर प्रणाली
- चाहरदीवारी
- भूचित्रण, संकेतक
- बैटरी प्रचालित वाहन
- स्मारक प्रदीप्तन, पगडंडी प्रदीप्तन
- कार्यालय भवन, पार्किंग

अनंत शयन, भगवान विष्णु, धेनकनल, उड़ीसा

क.5) मंदिर समूह, पत्तादकल, कर्नाटक में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं और प्रदीप्तन
(15.12.2020 को अनुमोदित)

चिह्नित सुविधाएं –

- स्मारकों का प्रदीप्तन
- प्रदीप्तन प्रणाली के लिए सौर प्रणाली
- विवेचन केंद्र, श्रव्य एवं दृश्य प्रेक्षागृह के साथ वीथिकाएं
- पगडंडी, बैठने का स्थान
- चिह्नित सुविधाएं स्थल पर समग्र क्षेत्र का भूचित्रण

क.6) गोलकुंडा किला, हैदराबाद, तेलंगाना में फलक प्रदीप्तन
(15.12.2020 को अनुमोदित)

चिह्नित सुविधाएं –

- किला का फलक प्रदीप्तन
- पगडंडी प्रदीप्तन

ख) विष्णु मंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह, बातेश्वर, जिला मोरेना, म.प्र. में मठ के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए एएसआई–एनसीएफ–इन्फोसिस प्रतिष्ठान परियोजना

विष्णु मंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह, बातेश्वर, जिला मोरेना, म.प्र. में मठ के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए 29 जनवरी, 2021 को एएसआई–एनसीएफ–इन्फोसिस प्रतिष्ठान के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इन्फोसिस प्रतिष्ठान ने इस परियोजना के लिए रु. 4.00 करोड़ की राशि दान देने की सहमति दी है।

चिह्नित संरक्षण एवं परिरक्षण कार्य :–

- मंदिर का प्रलेखन
- स्थिति मापन और फोटोग्राफी द्वारा वास्तुगत खंड की विस्तृत फोटोग्राफी
- प्लेट से निर्मित दीवार की बाहरी परिधि को मजबूत करने और रक्षित करने के लिए भारी आकार के पत्थर चिनाई के लिए बाहरी प्लेट निर्मित दीवार के साथ आंतरिक कोर का पता लगाना

पत्थरों की सफाई और पत्थरों को रोकने के लिए स्तर–वार एवं दिशा–वार विछाई के बाद सेवा योग्य पत्थर मंदिर शिल्प तथ्य खंड की छँटाई के लिए प्रावधान।

6) चालू परियोजनाएं : 2020–21

6) परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	परियोजना	एम ओ यू पर हस्ताक्षर	प्रायोजक
1)	निष्पादन कलाओं एवं कला के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण	12/01/2000	एनसीएफ–दुर्गापुर बाल संस्कृति अकादमी
2)	क. खजूराहो समूह मंदिर, म.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास	30/3/2001	इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान
	ख. भोगानंदीश्वर मंदिर, बंगलुरू, कर्नाटक में संरक्षण कार्य एवं पर्यटक सुविधाएं	अगस्त 2019 में अवधारणा योजना अनुमोदित	इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान
	ग. सी कैथेड्रल, गोवा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास	एएसआई से 02/07/2019 को अनुमोदन प्राप्त	इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान
3)	संग्रहालय नगर परियोजना : संग्रहालय के नए भवन का निर्माण एवं संग्रह एवं संग्रहालय सुविधाओं का पुनर्वास	12/04/2002	एनसीएफ–राजा दिनकर केलकर संग्रहालय
4)	लोधी मकबरा, नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण	10/1/2006	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया
5)	लौरिया नंदनगढ़, बिहार में अवसंरचना एवं अन्य सुविधाओं का विकास	18/12/2007	बोकारो इस्पात संयंत्र
6)	कृष्णा मंदिर, हम्पी, कर्नाटक का विकास	12/6/2008	हम्पी प्रतिष्ठान एवं विश्व स्मारक निधि
7)	हिडिम्बा देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का सुधार	15/7/2008	यूको बैंक, चंडीगढ़
8)	आलमबाज़ार मठ नवीकरण, पुनर्निमाण परियोजना, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	14/10/2008	आलमबाज़ार मठ एवं एन सी एफ
9)	इब्राहिम रौज़ा का बागीचा एवं गोल गुम्बज़, बीजापुर, कर्नाटक का पुनर्जीवन	11/12/2009	नौरस ट्रस्ट
10)	विक्रमशिला, बिहार के खुदाई परिप्रदेश का संरक्षण एवं विकास	22/12/2009	नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लि.

11)	प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास	25/02/2010	एएसआई–एनसीएफ–नागरिक सेवा मंडल
12)	अहोम स्मारक, शिवसागर जिला, असम का संरक्षण 1. रंग घर 2. करेंगनघर (गढ़गांव) 3. तालातल घर (जॉयसागर) 4. चेरईदेव में मैडेम्स का समूह	29/6/2010	तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओ एन जी सी)
13)	पर्यटक के लिए सुविधाएं प्रदान करते हुए पर्यावरण विकास, स्मारकों का प्रदीप्तन और हज़ारद्वारी राजमहल, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल का उन्नयन	13/7/2010	भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता
14)	पुराना रंगनाथ मंदिर, पुष्कर (राजस्थान) के लिए डी पी आर की तैयारी	21/7/2011	वेणुगोपाल मंदिर ट्रस्ट एवं एन सी एफ
15)	श्री भुलेश्वर मंदिर, पुणे, महाराष्ट्र का संरक्षण एवं विकास, पहला चरण	26/3/2013	श्रीमती उत्तरादेवी चैरिटेबल एवं अनुसंधान प्रतिष्ठान
16)	पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी, हैदराबाद का संरक्षण और पुनः उपयोग	28/12/2013	एनसीएफ–आंध्र प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय
17)	ए एस आई स्थल संग्रहालय, नालंदा, बिहार के लिए विस्तृत डी पी आर की तैयारी	16/04/2015	एन सी एफ
18)	सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय का उन्नयन	31/05/2017	सोनी इंडिया प्रा. लि.
19)	राष्ट्रीय स्मारकों में चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन (दिनांक 9.3.2016 को हस्ताक्षरित प्रछत्र संगम ज्ञापन)	19/11/2017	भारतीय अवसंरचना वित कंपनी लि. (आई आई एफ सी एल)

6.2) चालू परियोजनाओं का विस्तृत ब्योरा

(क) निष्पादन कलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 12/01/2000

वित्तपोषक/भागीदार : नसीएफ–दुर्गापुर बाल संस्कृति अकादमी

परियोजना विवरण : निष्पादन कलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण

दुर्गापुर बाल संस्कृति अकादमी (डीसीएसी) पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर–आसनसोल क्षेत्र के आसपास के क्षेत्र में निष्पादन कलाओं एवं संस्कृति को बढ़ावा देने में लगा हुआ है।

डीसीएसी की पहल का मुख्यतः जिला स्तर पर बहूत ही स्थानीय महत्व है। संगठन का उद्देश्य संस्कृति घटक के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खेलकूद के पहलुओं सहित बहु–विषयक है।

(ख) एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ के अंतर्गत स्मारकों का उन्नयन एवं अनुरक्षण

वित्तपोषक/भागीदार : ए एस आई–एन सी एफ–इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और इंडियन ऑयल फाउंडेशन (आई ओ एफ)

एन सी एफ और ए एस आई के जरिए इंडियन ऑयल संरक्षण कार्य को वित्तपोषित करेगा और विरासत स्थलों पर पर्यटकों के लिए विश्व–स्तरीय सुविधाएं विकसित करेगा।

निम्नलिखित 3 स्थलों पर पर्यटक/जन अवसंरचना सुविधाओं के विकास किया जा रहा है :

क) मंदिर समूह खजुराहो, मध्य प्रदेश
ख) भोगानन्दीश्वर मंदिर, बंगलोर, कर्नाटक
ग) सी कैथेड्रल, गोवा

(क) खजुराहो मंदिर समूह, म.प्र.

खजूराहो स्मारक समूह मध्य प्रदेश, भारत में हिन्दू और जैन मंदिरों का एक समूह है। झांसी से लगभग 175 किलोमीटर दक्षिण–पूर्व में स्थित ये भारत में यूनेस्को विश्व विरासत स्थल में से हैं। खजुराहो, प्राचीन खरज्जुरा वाहक अपनी तरह के विशिष्ट कला प्रतिमान और मंदिर वास्तुकला को प्रस्तुत करता है, जो चंदेल शासन के दौरान संपन्न और सृजनात्मक अवधि होने की गवाही देता है।
खजुराहो मंदिर समूह में पर्यटक सुविधाओं के विकास हैं :

- पश्चिमी समूह मंदिर
  - ✓ मुख्य प्रवेश द्वार, पार्किंग, मुख्य एवेन्यू, जलपान गृह
  - ✓ भूचित्रण एवं पगडंडी, टिकट काउंटर एवं प्रकाशन काउंटर भवन, श्रव्य–दृश्य सभागार के साथ विवेचन केंद्र, प्रदर्शन वीथिका
  - ✓ प्रसाधन प्रखंड, संकेतक और बैठने का स्थान
  - ✓ सुरक्षा केबिन वाले संशोधित चाहरदीवारी के साथ स्मारक का प्रवेश द्वार
  - ✓ परियोजना स्थल से लगे शिवसागर झील से गाद हटाना एवं इसका सौंदर्यीकरण
- पूर्वी मंदिर समूह – पार्किंग, भूचित्रण, बैटरी चालित वाहनों के लिए चौड़ी पगडंडी, टिकट काउंटर के साथ सुरक्षा केबिन, प्रसाधन खंड, संकेतक, पेयजल आदि
- दक्षिणी समूह मंदिर
  भूचित्रण, पगडंडी, सुरक्षा केबिन, संकेतक

(ख) भोगानंदीश्वर मंदिर, बंगलुरू, कर्नाटक

9वीं से 15वीं सदी के बीच बना भोगानंदीश्वर मंदिर वास्तुकला की दृष्टि से द्रविड़ शैली के सबसे महत्वपूर्ण नमूनों में से एक है। दुहरे महाद्वार के साथ 112.8 मी. ग 76. 2 मी. क्षेत्र में अपने ही प्राकार से घिरा इस परिसर में भोगानंदीश्वर (उत्तर) और अरूणाचलेश्वर (दक्षिण) के रूप में शिव को समर्पित जुड़वां मंदिर है। दोनों के बीच एक छोटा मंदिर है। भोगानंदीश्वर मंदिर बंगलुरू ग्रामीण जिला में नंदी पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है।

भोगानंदीश्वर मंदिर

विकसित की जा रही सुविधाएं हैं –

- छोटा जलपान गृह (अर्द्ध खुला)
- दर्शक वीथिका
- प्रसाधन खंड
- पेयजल किओस्क, अमानती सामान गृह
- बैठने के लिए बेंचों के साथ पार्किंग क्षेत्र
- भूचित्रण कार्य एवं संकेतक
- सौर उर्जा 13 केवीए का प्रावधान

ग) सी कैथेड्रल, गोवा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास

विकसित की जा रही सुविधाएं हैं –

- हरियाली के साथ पार्किंग क्षेत्र
- जलपान गृह, पहुंच पगडंडी
- बैठने का स्थान, प्रसाधन प्रखंड एवं पेयजल सुविधाएं
- दर्शक परिचालन पथ, भूचित्रण
- प्लास्टिक बोतल तोड़ने की मशीन
- सुविधाओं, संकेतकों का विद्युतीकरण

ग) राजा दिनकर केलकर संग्रहालय के नए भवन का संरक्षण

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 12/04/2002

वित्तपोषक/भागीदार : नसीएफ–राजा दिनकर केलकर संग्रहालय

परियोजना विवरण : संग्रहालय नगर परियोजना : संग्रहालय के नए भवन का निर्माण एवं संग्रह एवं संग्रहालय सुविधाओं का पुनर्वास

राजा दिनकर केलकर संग्रहालय (आरडीकेएम) के पास कवि, संग्रहकर्ता और कला मर्माज्ञ पद्मश्री स्व. डॉ. डी जी केलकर (1896–1990) का संग्रह है। संकलन में संगीत उपकरणें, वस्त्र, धातु की उपयोगी वस्तुएं, मूर्तियां, कांस्य, लकड़ी की कला वस्तुएं, पांडुलिपियां हैं, जो डॉ. केलकर ने 1975 में संग्रहालय को दान में दिया था।

आरडीकेएम के लिए नए परिसर की स्थापना के लिए बजट के संबंध में यह सहमति बनी है कि आरडीकेएम और एनसीएफ निजी क्षेत्र, आमजन एव सरकार सहित से इस उद्देश्य हेतु निधियां उगाही करने एवं दान सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करेगा। एनसीएफ ने परियोजना की पुनरीक्षा का भी निर्णय लिया है, ताकि इसके कार्यक्षेत्र को सरल एवं कारगर बनाया जा सके।

राजा दिनकर केलकर संग्रहालय (आरडीकेएम)

(घ) लोधी मकबरा, नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 10/01/2006

वित्तपोषक/भागीदार : ए एस आई–एन सी एफ–भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि.

परियोजना विवरण : लोधी मक़बरा, नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण।

लोधी उद्यान में स्थित स्मारक पूर्व मुग़ल कालीन इमारतों के सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और शहर के भीतर एक निशान की तरह खड़े हैं। लोदी का मकबरा प्रसिद्ध लोदी उद्यान के बीचोंबीच में स्थित है।

लोधी मक़बरा

विशिष्ट स्मारकों एवं उनके पर्यावरण के संरक्षण के लिए निधियों के अंशदान द्वारा कुछ स्मारकों को लेने हेतु एएसआई एवं एनसीएफ ने सेल से पेशकश की। उन्होंने संयुक्त रूप से संरक्षण, परिरक्षण, अनुरक्षण एवं भूचित्रण के लिए लोदी उद्यान के भीतर स्थित निम्नलिखित स्मारकों की पहचान की है :

- सिकंदर लोदी का मकबरा
- शीश गुंबद
- बड़ा गुंबद, मस्जिद
- मोहम्मद शाह का मकबरा
- आठपुला (पुराना लोदी पुल)

(ङ) लौरिया नंदनगढ़, बिहार में अवसंरचना एवं अन्य सुविधाओं का विकास

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 18/12/2007

वित्तपोषक/भागीदार : एएसआई–एनसीएफ–बोकारो इस्पात संयंत्र

परियोजना विवरण : बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में लौरिया नंदनगढ़ और चंकी गढ़ एवं रामपुरवा में अवसंरचना तथा अन्य सुविधाओं का विकास

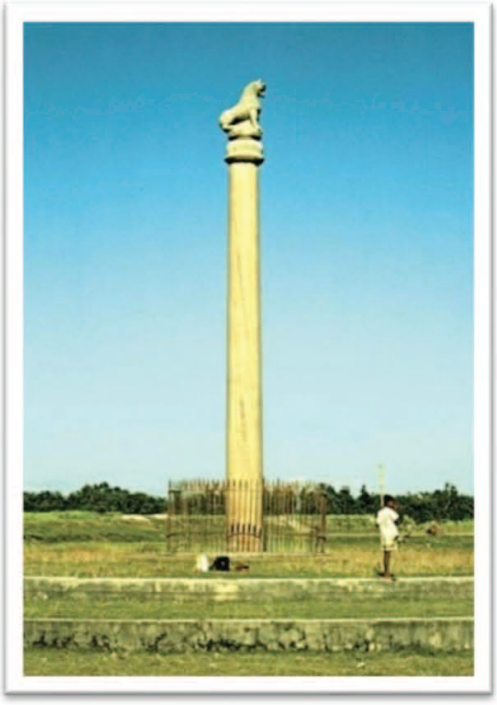

लौरिया नंदनगढ

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में लौरिया नंदनगढ़, चंकी गढ़ एवं रामपुरवा में स्थित स्मारकों और स्थलों में पर्यटक सुविधाओं और उद्यानों के विकास के लिए कार्य योजना और कार्य का क्षेत्र प्रस्तुत किया जाना ळें

(च) कृष्ण मंदिर, हम्पी, कर्नाटक का विकास

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 12/06/2008

वित्तपोषक/भागीदार : ए एस आई–एन सी एफ– हम्पी फाउण्डेशन–डब्ल्यू एम एफ

परियोजना विवरण : कृष्ण मंदिर, हम्पी, कर्नाटक का विकास।

इस मंदिर का निर्माण राजा (कृष्णदेव राय) ने 1513 ई0 में कराया था। इस मंदिर में स्थापित मुख्य मूर्ति बालकृष्ण (भगवान कृष्ण का शिशु रूप) की प्रतिमा थी। यह मूर्ति अब राज्य संग्रहालय, चेन्नई में प्रदर्शित की गई है। यह ऐसे बहुत कम मंदिरों में से एक है जिनमें मीनार की दीवारों पर महा गाथाएं उत्कीर्ण हैं। यह सचमुच विजयनगर युग के मंदिर का एक सही क्षति रहित नमूना है।

कृष्ण मंदिर, हम्पी

(छ) हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली, हिमाचल प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का सुधार

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 15/07/2008

वित्तपोषक/भागीदार : ए एस आई–एन सी एफ–यूको बैंक

परियोजना विवरण : हिडिम्बा देवी मंदिर में पर्यटक सुविधाओं का सुधार

हिडिम्बा देवी मंदिर मनाली में स्थित है जिसे हिडिम्बा मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह भारतीय महाकाव्य महाभारत की एक देवी को समर्पित प्राचीन गुफा मंदिर है। यह मंदिर हिमालय की तलहटी में देवदार वन से घिरा हुआ है। यह मंदिर जमीन से निकली एक बड़ी चट्टान के ऊपर बना है, जिसकी पूजा एक देवी के रूप में की जाती थी। इस मंदिर का निर्माण 1553 में हुआ था।

हिडिम्बा देवी मंदिर में बारीक नक्काशी वाले लकड़ी के दरवाजे हैं और मंदिर के ऊपर लकड़ी का 24 मीटर ऊंचा 'शिखर' या मीनार है। इस मीनार में लकड़ी के पट्टों से ढकी हुई तीन चौकोर छतें हैं और चोटी पर चौथी शंक्वाकार छत पीतल की है। मुख्य द्वार की नक्काशी का मुख्य विषय पृथ्वी देवी दुर्गा है। काम के क्षेत्र को संशोधित करने के लिए समझौता ज्ञापन के शुद्धि पत्र पर ए एस आई, एन सी एफ और यूको बैंक ने हस्ताक्षर किए हैं।

एएसआई योग्य एवं अनुभवी वास्तुकार का नियुक्त करके स्मारकों पर वास्तविक कार्य शुरू करने से पहले व्यापक योजना तैयार करने के लिए जिम्मेवार होगा और एएसआई सीधे ही काम को निष्पादित करेगा या अपने समग्र

पर्यवेक्षण के अंतर्गत सक्षम एजेंसी के जरिए बाहर से काम कराएगा।

हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली, हिमाचल प्रदेश

(ज) आलमबाज़ार मठ, कोलकाता, पश्चिम बंगाल का नवीकरण, पुनर्निर्माण

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	14/10/2008
वित्तपोषक/भागीदार	:	एएसआई–एनसीएफ–आलमबाज़ार मठ
परियोजना विवरण	:	आलमबाज़ार मठ का नवीकरण, पुनर्निर्माण।

आलमबाज़ार मठ की स्थापना फरवरी, 1892 ई. में हुई थी। यहां पर स्वामी अभेदानंद, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्णानंद तथा अन्यों के शिष्य एकत्र हुए थे और ध्यान योग, धार्मिक अनुष्ठान, लोक कल्याण के कार्य एवं पूजा–पाठ में आध्यात्मिक जीवन गुजारे थे।

आलमबाज़ार मठ

इस परियोजना के दो घटक हैं :

- आलमबाज़ार का जीर्णोद्धार, नवीकरण और परिरक्षण
- मौजूदा स्कूल, औषधालय इत्यादि का पुनर्वास, दूसरे स्थान पर ले जाना/सुधार।

(झ) इब्राहिम रौज़ा और गोल गुम्बद, बीज़ापुर, कर्नाटक के बागों का पुनर्जीवन

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	11/12/2009
वित्तपोषक/भागीदार	:	ए एस आई–एन सी एफ–मैसर्स नौरस न्यास
परियोजना विवरण	:	इब्राहिम रौज़ा और गोल गुम्बद, बीज़ापुर के बागों का पुनर्जीवन

कर्नाटक राज्य के बीज़ापुर, जिला–बीजापुर में स्थित मुहम्मद आदिल शाह (1626–56 ई.) का मक़बरा, गोल गुम्बद भारतीय–इस्लामिक वास्तुकला का एक महत्वपूर्ण स्मारक है। इस भवन में एक विशाल वर्गाकार कमरा है जिसकी प्रत्येक भुजा लगभग 50 मी. (160 फुट) की है और इसके ऊपर 37.9 मी. (124 फुट) व्यास का विशाल गुम्बद स्थित है जो इसे विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गुम्बदाकार भवन बनाता है। गोल गुम्बद की सबसे दिलचस्प और उल्लेखनीय विशेषता इसकी ध्वनि प्रणाली है। इस इमारत के भीतर मुहम्मद आदिल शाह, उनकी दो पत्नियों, उप पत्नी, पुत्री और पौत्र की कब्रें हैं।

गोल गुम्बद

गोल गुम्बद परिसर में एक उत्कृष्ट जल आपूर्ति प्रणाली भी है जैसा कि जल कुण्डों, फब्बारों सह कुण्ड, लिफ्ट सह कुंड और कुंओं से प्रतीत होता है। ये बाग स्मारक की डिजाइन के अभिन्न भाग थे, जैसा कि बीजापुर के बाहर स्थित जहां बेग़म (आदिल शाह की पत्नी) के अधूरे मक़बरे में प्रदर्शित किया गया है। मूल बागों को समझने

का महत्व दिखाई पड़ने से कहीं आगे तक जाता है जैसा कि इब्राहिम रौज़ा जिसका समय–समय पर बाढ़ से नुकसान हुआ है और गोल गुम्बद जहां लॉन में पानी देने के कारण इमारत के तलघर में नमी आने से रिसाव, में प्रदर्शित होता है।

इस परियोजना का उद्देश्य इस इमारत और बाग के बीच संबंध को यथासम्भव पुनः स्थापित करना है।

परियोजना के उद्देश्य –

- समकालीन उपयोगों और चिंताओं को ध्यान में रखते हुए इस ऐतिहासिक काल के भूपरिदृश्य संबंधी भावना और शैली को अपनाने के लिए इब्राहिम रौज़ा और गोल गुम्बद के बागों को पुनर्जीवित करना।

- इस अनुभव से ऐसी विधि का निर्माण करना जिसे इस क्षेत्र के अन्य बागों पर लागू किया जा सके। इसमें एक दल का गठन करना भी शामिल है जो इस युग के बागों का अध्ययन, विश्लेषण और संरक्षण कर सके।

(ञ) विक्रमशिला, बिहार स्थित स्मारकों के समूह के परिवेश का संरक्षण एवं विकास

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 22/12/2009

वित्तपोषक/भागीदार : ए एस आई–एन सी एफ–राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एन टी पी सी)

परियोजना विवरण : विक्रमशिला के उत्खनित परिवेश का संरक्षण एवं विकास

- विक्रमशिला विश्वविद्यालय

यह पाल वंश के दौरान भारत के दो सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध अध्ययन केन्द्रों में से एक था, दूसरा नालंदा विश्वविद्यालय था। नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति की गुणवत्ता में तथाकथित कमी आने के प्रतिक्रिया स्वरूप विक्रमशिला की स्थापना राजा धर्मपाल (783 से 820 ई.) ने की थी। विक्रमशिला बिहार में भागलपुर से लगभग 50 कि.मी. पूर्व दिशा में स्थित है।

विक्रमशिला स्थल

विक्रमशिला स्थल

(ट) प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 25/02/2010

वित्तपोषक/भागीदार : ए एस आई–एन सी एफ–नागरिक सेवा मंडल

परियोजना विवरण : प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास

शिव मंदिर, अंबरनाथ

अम्बरनाथ, महाराष्ट्र का शिव मंदिर, जिसे अंबरेश्वर शिव मंदिर भी कहा जाता है, 10वीं शताब्दी का भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर है। यह हेमदपंति निर्माण में पत्थर से काटा गया एक सुंदर मंदिर है।

मंदिर परिसर के पुनर्स्थापन में अनुचित सीमेंट निशान को हटाना एवं दरारों को भरना, मंदिर के निकट प्राचीन कुँओं से गाद निकालना, मंदिर परिसर में दर्शक सुविधाएं प्रदान करना, मंदिर का प्रदीप्तन आदि शामिल है।

(ठ) अहोम स्मारक, असम का संरक्षण

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 29/06/2010

वित्तपोषक/भागीदार : एएसआई–एनसीएफ–प्राकृतिक गैस आयोग (ओ एन जी सी)

परियोजना विवरण : असम के शिव सागर जिले में स्थित निम्नलिखित चार अहोम स्मारकों का नवीकरण और अनुरक्षण :
- रंग घर
- कारेंग घर (गढ़गांव)
- तलातल घर (जयसागर)
- चेराई देव स्थित मैदम समूह (कब्रगाह)

शिवसागर, भगवान शिव का सागर, भारत के असम राज्य के शिवसागर जिले में गुवाहाटी से लगभग 360 कि.मी. (224 मील) पूर्वोत्तर में एक कस्बा है। अपने इतिहास, संस्कृति और तालाबों के अलावा यह अहोम महलों और स्मारकों के लिए भी प्रसिद्ध है। इस स्थल के समीप ही ओ एन जी सी संयंत्र है।

कारेंग घर

असम के शिवसागर जिले में स्थित अहोम स्मारकों {रंग घर, कारेंग घर (गढ़गांव), तलातल घर (जयसागर), चेराई देव स्थित मैदम समूह} के नवीकरण और अनुरक्षण को प्रायोजित करने के लिए ओएनजीसी से पेशकश की गई थी। ओएनजीसी परियोजना के लिए अपेक्षित निधि का अंशदान करेगा। परियोजना का नाम "अमूल्य धरोहर" होगा। क्षेत्रीय निदेशक, पूर्व और उसके दल के ज़रिए ए एस आई द्वारा परियोजना कार्यान्वित की जा रही है।

(ड) हजारद्वारी महल, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल का उन्नयन

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 13/07/2010

वित्तपोषक/भागीदार : एएसआई–एनसीएफ–भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता

परियोजना विवरण : पर्यटक के लिए सुविधाएं प्रदान करते हुए पर्यावरणीय विकास, स्मारकों का प्रदीप्तन और मुर्शिदाबाद में हजारद्वारी महल संग्रहालय का उन्नयन

हजारद्वारी महल नवाब नाज़िम हुमायूं जाह के समय नव–शास्त्रीय शैली में निर्मित 41 एकड़ क्षेत्र में फैली तीन मंजिली इमारत है। इस महल की योजना समकालीन वास्तुकार कर्नल मैक्लेयोड डंकन ने 1829 से 1837 के बीच बनाई और कार्यान्वित की थी। इस आलीशान महल के भवन की मुख्य विशेषता है इसके सममितीय मोहरे (अग्रभाग) और डोरिक स्तम्भों पर सधे हुए त्रिभुजाकार त्रिकोणिका द्वारमण्डप तथा उत्तरी दिशा में स्थित आलीशान सीढ़ियों से इसके ऊपर चढ़ा जा सकता है। हजारद्वारी महल वर्ष 1977 में भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा राष्ट्रीय महत्व का केन्द्रीय संरक्षित स्मारक घोषित किया गया था और इसके अन्दर बने संग्रहालय को 1985 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने पश्चिम बंगाल सरकार से अपने पास ले लिया था।

हजारद्वारी महल

(ढ़) रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर, पुष्कर (राजस्थान) के लिए डी पी आर की तैयारी

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 14/10/14

वित्तपोषक/भागीदार : एन सी एफ–धरोहर (परामर्शदाता)

परियोजना विवरण : पुराने रंगजी मंदिर, पुष्कर के संरक्षण के लिए डी पी आर की तैयारी

मंदिर में भित्ति चित्र, पुष्कर

श्री रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर पुराना रंगजी मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। यह 1844 में बना पुष्कर में सबसे पुराना द्रविड़ शैली का मंदिर है।

श्री रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर परिसर द्रविड़ मंदिर वास्तुकला और राजस्थान वास्तुकला का एक उत्कृष्ट संयोजन है और इसमें चूना मसाला से बना सड़क और पुराने कलात्मक प्रतिमान के साथ आंतरिक मंदिर के चित्रित दीवारों सहित राजस्थान शैली में सज्जित और विशाल प्रवेश द्वार और बाहरी परिक्रमा पथ है। मंदिर का आवासीय परिसर 90,000 वर्ग फीट से अधिक के क्षेत्र में फैला हुआ है।

दक्षिण भारतीय वास्तुकला शैली और राजस्थानी शैली में निर्मित मंदिर परिसर धार्मिक और मिथक कहानियों की चित्रकारी के साथ अलंकृत डिज़ाइन से भरा–पड़ा है।

पुराना रंगजी मंदिर, पुष्कर

दीवारों पर शेखावती क्षेत्र का महत्वपूर्ण भित्ति चित्र परम्परा अंकित है। भित्ति चित्र का क्षरण हो रहा है और इसके परिरक्षण और संरक्षण हेतु तुरंत ऐहतियात बरतने की आवश्यकता है।

स्थिति के मूल्यांकन के लिए विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट अपेक्षित है।

(ण) भुलेश्वर मंदिर, पुणे, महाराष्ट्र का संरक्षण एवं विकास

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 26/03/2013

वित्तपोषक/भागीदार : ए एस आई–एन सी एफ–श्रीमती उत्तरादेवी चैरिटेबल एंड रिसर्च फाउंडेशन

परियोजना विवरण : भुलेश्वर मंदिर, पुणे, महाराष्ट्र का संरक्षण एवं विकास

भुलेश्वर मंदिर एक शिव मंदिर है, जो 14वीं शताब्दी में मलशिरास गांव में चूना मोर्टार का प्रयोग करके निर्मित किया गया था। इसे चूना मसाला का

इस्तेमाल करके पत्थर से बनाया गया है। यह ए एस आई के अंतर्गत राष्ट्रीय संरक्षित स्मारक है। मंदिर के सम्मुख एक हाल अथवा सभामण्डप का निर्माण बाद में किया गया था, जबकि मंदिर के बाहरी भाग में सुंदर गढ़ित पैनल हैं।

परियोजना एस. ए. मुंबई परिक्षेत्र, ए एस आई द्वारा कियान्वित की जा रही है।

भुलेश्वर मंदिर, पुणे

(त) पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी, हैदराबाद का संरक्षण और पुनः उपयोग

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	28/12/2013
वित्तपोषक/भागीदार	:	ए एस आई–एन सी एफ– आंध्र प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय एवं ओस्मानिया विश्वविद्यालय
परियोजना विवरण	:	पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी, हैदराबाद का संरक्षण और पुनः उपयोग

ओस्मानिया विश्वविद्यालय

ओस्मानिया विश्वविद्यालय ने 1924 में महिलाओं की शिक्षा के लिए महिला विश्वविद्यालय कॉलेज, कोटि की स्थापना की है। आंध्र प्रदेश सरकार ने महिला शिक्षा के उद्देश्य से ओस्मानिया विश्वविद्यालय को पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी का स्थान एवं भवन दिया है और रजिस्ट्रार, ओस्मानिया विश्वविद्यालय इस संपत्ति के संरक्षक हैं। ओस्मानिया विश्वविद्यालय ने विश्व स्मारक निधि के सहयोग से एक संरक्षण प्रबंधन योजना (सीएमपी) तैयार की है और ऐतिहासिक स्थल एवं भवनों के पुनर्स्थापन एवं अनुकूली पुनर्प्रयोग के लिए एनसीएफ (द्वितीय पक्ष), एसडीएएम (तृतीय पक्ष) की साझेदारी में सीएमपी को कार्यान्वित करना चाहता है।

(थ) नालंदा स्थल संग्रहालय, बिहार के लिए डी पी आर की तैयारी

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	16/04/2015
वित्तपोषक/भागीदार	:	एएसआई–एनसीएफ–एस्ट्रो लिंक्स
परियोजना विवरण	:	नालंदा स्थल संग्रहालय, बिहार के लिए डी पी आर की तैयारी

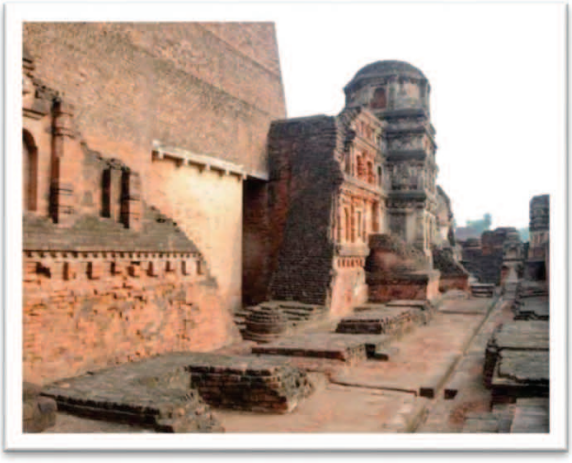

नालंदा स्थल

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट मै. एस्ट्रो लिंक्स (परामर्शदाता) द्वारा तैयार किया जा रहा है। डी पी आर का उद्देश्य स्थल का अध्ययन है और यह उपाय सुझाना है कि कैसे संरक्षण हस्तक्षेप शुरू करके स्थल के महत्व को बढ़ाना है, जो न केवल इसके महत्त्व की रक्षा करेगा वरन् इसके दर्शक को समग्र एवं प्रामाणिक अनुभव भी प्रदान करेगा।

नालंदा स्थल

नालंदा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों रूप से एक महत्वपूर्ण स्थल है। प्रतिवर्ष औसत 2.5 लाख आगंतुको के साथ यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि इसके महत्व को अच्छी तरह विवेचित किया जाए।

वर्तमान स्थल संग्रहालय संभवतः खुदाई स्थल पर कार्य के लिए पुरातत्वविदों के लिए 1915 में एक अतिथि गृह के रूप में बनाया गया था। इसे 1917 में नालंदा तथा राजगीर से उत्खनित पुरावस्तुओं को रखने के लिए संग्रहालय में परिवर्तित किया गया था। इसके बाद इसे 1956 में नवीकृत किया गया। केवल 390 वर्ग मी. के कवरेज क्षेत्र के साथ यह संग्रहालय भवन निश्चित रूप से 13,463 कला तथ्यों के लिए पर्याप्त नहीं है।

भवन के भौतिक ढांचे को संरक्षित करने और संग्रहालय के मूल तंतु की रक्षा हेतु केवल न्यूनतम हस्तक्षेप की आवश्यकता है। खंड प्रमुख रूप से दर्शक विवेचन और सुविधा को पूरा करेगा। इसमें टिकट काउंटर, विवेचन केन्द्र, अमानती सामान घर, संग्रहालय दूकान, बाल शिक्षा क्षेत्र आदि होगा।

नालंदा संग्रहालय को एक 'स्थल संग्रहालय' के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह किसी अन्य संग्रहालय से बहूत अलग है। इस पहलू को डिजाइन हस्तक्षेपों के जरिए वद्धित और अच्छी तरह से विवेचित किया जाना चाहिए। स्थल संग्रहालय में अवशेषों/अन्वेषणों को बहूत ही सावधानीपूर्वक प्रदर्शित किया जाना चाहिए, ताकि दर्शकों द्वारा स्थल के साथ उनके संबंध को आसानी से समझा जा सके।

यह परियोजना भारत की संपन्न सांस्कृतिक विरासत के रक्षण का राष्ट्रीय संस्कृति निधि के दर्शन का एक भाग है। यह पहल शामिल की गई विधाओं के वृहत रेंज जैसे कि पुरावशेष परिरक्षण, संरक्षण प्रदर्शनी, पुरातत्व, कला इतिहास, ऐतिहासिक भवन संरक्षण, संग्रहालय विज्ञान, प्रलेखन, ढ़ॉचागत एवं सिविल इंजीनियरी, परियोजना प्रबंधन, अन्यों के साथ भूचित्र डिजाइनिंग के साथ एक अनुभवी बहु–विषयक दल द्वारा विचारों के आदान–प्रदान एवं उनके कार्यान्वयन के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

(द) सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय, वाराणसी,उ. प्र. का उन्नयन

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 31/05/2017

वित्तपोषक/भागीदार : एएसआई–एनसीएफ–सोनी इंडिया प्रा. लि.

परियोजना विवरण : सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय का उन्नयन

कार्य का लक्ष्य है –

- सारनाथ संग्रहालय में सुरक्षा व्यवस्था (अद्यतन एनविट प्रणाली के साथ उन्नत सी सी टी वी का संस्थापन)
- संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर दर्शकों की तलाशी के लिए सुरक्षा एजेंसी से कार्मिक की नियुक्ति
- सारनाथ के उत्खनित अवशेषों के प्रवेश द्वार पर दर्शकों की तलाशी के लिए सुरक्षा एजेंसी से कार्मिक की नियुक्ति
- संग्रहालय में गृह व्यवस्था कर्मचारी
- सारनाथ के उत्खनित अवशेषों पर गृह व्यवस्था कर्मचारी
- पेड़ों के नीचे दर्शकों के लिए बैठक प्लाज़ा को विकसित किया जाना है।
- विवेचन केन्द्र का उन्नयन
- संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर गढ़ित शेड

सारनाथ स्थल

सभा भवन

संग्रहालय का सुरक्षा कक्ष (सोनी परियोजना)

बैठने का प्लाजा (सोनी परियोजना)

संस्थापित सीसीटीवी कैमरे की निगरानी इकाई (सोनी परियोजना)

(ध) राष्ट्रीय स्मारकों पर चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	19/11/2017 (9.3.2016 को एक हस्ताक्षरित प्रछत्र संगम ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ)
वित्तपोषक/भागीदार	:	एएसआई–एनसीएफ–भारतीय अवसंरचना वित्त कंपनी लिमिटेड (आई आई एफ सी एल)
परियोजना विवरण	:	राष्ट्रीय स्मारकों पर चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन

सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण और रक्षण शुरू करने के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ), संस्कृति मंत्रालय और भारतीय अवसंरचना वित कंपनी लि. (आई आई एफ सी एल) के बीच 9 मार्च, 2016 को एक प्रछत्र समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था।

बाद में ए एस आई स्मारकों पर चक्रद्वार के साथ दर्शक प्रबंधन समाधान प्रदान करने और ऑनलाइन टिकट प्रणाली (ई–टिकट सुविधा) के साथ समेकन के लिए एन सी एफ – ए एस आई – आई आई एफ सी एल के बीच एक त्रिपक्षीय संगम ज्ञापन पर 19 नवंबर, 2017 को हस्ताक्षर हुआ।

चक्रद्वार टिकट प्रणाली को भारत अवसंरचना वित्त कंपनी लिमिटेड (आई आई एफ सी एल) की कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी एस आर) पहल के तहत् वित्तपोषित किया जा रहा है। यह प्रणाली निश्चित रूप

से स्मारक परिसरों के भीतर दर्शकों को सुगम प्रवेश प्रदान करेगा। यह व्यवस्था पहले की प्रवेश व्यवस्था की तुलना में बहुत ही क्रमिक और बाधामुक्त है और इसमें कम समय लगता है।

चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन

लेखा विवरण

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

वित्त वर्ष 2020-21

लेखा परीक्षा रिपोर्ट 2020–21

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लेखा पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का पृथक लेखा–परीक्षा प्रतिवेदन

1. हमने नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का (कर्त्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के तहत 31 मार्च, 2021 को राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ) के संलग्न तुलन पत्र और उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2020–21 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय संस्कृति निधि प्रबंधन की जिम्मेवारी है। हमारी जिम्मेवारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करनी है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन पद्धतियों के साथ अनुरूपता, लेखांकन मानदंड और प्रगटन मानकों आदि के संबंध में केवल लेखांकन व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणी शामिल है। विधि, नियम एवं विनियम (मालिकाना एवं विनियामक) के अनुपालन और दक्षता–सह–निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो, के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियां अलग से निरीक्षण रिपोर्टों/कैग के लेखा परीक्षा रिपोर्टों के जरिए सूचित की जाती हैं।

3. हमने भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा परीक्षण मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में यह अपेक्षा है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने कि क्या वित्तीय विवरण वास्तविक मिथ्या विवरणों से मुक्त हैं, लेखा परीक्षा का नियोजन और निष्पादन करते हैं। लेखा परीक्षा में राशियों का समर्थनकारी साक्ष्य और वित्तीय विवरण के प्रगटन का जांच आधार पर परीक्षण शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और किए गए पर्याप्त आकलनों का मूल्यांकन और वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए उपयुक्त आधार प्रदान करता है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट देते हैं कि :

i. हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के लिए अनिवार्य थे।

ii. इस रिपोर्ट द्वारा डील किया गया तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित लेखाओं के सामान्य फॉर्मेट में तैयार किया गया है।

iii. हमारी राय में राष्ट्रीय संस्कृति निधि द्वारा अपेक्षित लेखा बहियां और अन्य संगत रिकार्ड रखे गए हैं, जहां तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से पता चलता है।

iv. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि :

क. तुलन पत्र

क. 1 देयताएं : चालू देयताएं एवं प्रावधन (अनुसूची–7) – रु. 34.11 लाख

क.1.1 उपर्युक्त में नीचे यथा वर्णित दीर्घ लंबित देयताएं शामिल हैं:

क.सं.	नाम	रु. लाख में	इस अवधि से लंबित
1	वस्तु एवं सेवाओं के लिए विविध लेनदार	7.12	मार्च 2012
2	प्राप्त अग्रिमें	4.62	जून 2009
3	राष्ट्रीय संग्रहालय को देय	7.42	अप्रैल 2005 से पूर्व

दीर्घ लंबित अग्रिमें असमायोजित पड़ी हैं और इसे पुनरीक्षित किए जाने और निपटाने की आवश्यकता है। संदेहास्पद राशि, यदि कोई है, का उल्लेख किया जाए और उससे कमी के रूप में प्रावधान दिखाया जाए। इसे पिछले वर्ष भी इंगित किया गया था।

क.1.2 परियोजनाओं पर प्राप्य टीडीएस राशि रु. 73.68 लाख को अनुसूची 11 चालू परिसंपत्तियां ऋण एवं अग्रिमें में दर्शायी गई हैं, परंतु केवल रु. 13.30 लाख की देयता अनुसूची 7 चालू देयताएं में की गई है, जिसका परिणाम रु. 60.38 लाख की देयताएं की कम अभिव्यक्ति और पूंजी निधि की अधिक अभिव्यक्ति हुई।

क.1.2 चालू देयताएं एवं प्रावधान में रु. 1.82 लाख की राशि का व्यय, जो मार्च 2021 में देय था, परंतु जिसका भुगतान नहीं किया गया था, के लिए देयताएं शामिल नहीं है। इसका परिणाम उस राशि की चालू देयताएं एवं प्रावधान की कम अभिव्यक्ति और पूंजी निधि की अधिक अभिव्यक्ति हुई।

क. 2 परिसंपत्तियां

क.2.1 नियत परिसंपत्तियां (अनुसूची–8) – रु. 17.56 लाख

रु. 50,187 का एक स्कैनर वर्ष के दौरान (09.11.2020) को खरीदा गया और इसे कार्यालय उपकरण के अंतर्गत शामिल किया गया और इस पर 15 प्रतिशत की दर से ह्रास प्रभारित किया गया। तथापि, स्कैनर कंप्यूटर हार्डवेयर का भाग होने के कारण इस पर 40 प्रतिशत की दर से ह्रास प्रभारित किया जाना चाहिए था। इसका परिणाम नियत परिसंपत्तियों की अधिक अभिव्यक्ति हुई और रु. 12,157 से ह्रास की कम अभिव्यक्ति हुई।

ख. सामान्य

ख.1 लेखाओं के समरूप प्रपत्र के अनुसार 31 मार्च को नियत जमा की राशि और उस पर प्रोद्भूत ब्याज को चालू परिसंपत्तियां ऋण एवं अग्रिमें अनुसूची के अलग से दर्शाया जाता है, परंतु एनसीएफ ने प्रोद्भूत ब्याज और नियत जमा का संयुक्त ऑकड़ा दर्शाया है, जिसे सुधार किए जाने की आवश्यकता है।

ख.2 आयकर प्राधिकारियों द्वारा निर्धारण वर्ष 2016–17 के लिए दिसंबर 2018 में एक मूल्यांकन आदेश द्वारा रु. 2.70 करोड़ राशि की मांग की गई, जिसके विरूद्ध एनसीएफ ने जनवरी 2019 में अपील दायर की। इस तथ्य को लेखाओं की टिप्पणी में प्रगट नहीं किया गया।

ख.3 चौधरी चरण सिंह की जन्म शताब्दी वर्ष के आयोजन के लिए वर्ष 2002–03 और 2003–04 के दौरान प्राप्त रु. 1. 01 करोड़ की अव्ययित राशि मंत्रालय को मई, 2014 में लौटाई गई। तथापि, एन सी एफ ने 2019–20 तक अव्ययित शेष पर अर्जित ब्याज की राशि को वापस नहीं किया। एन सी एफ ने केवल वर्ष 2009–10 तक अव्ययित शेष पर अर्जित ब्याज के रूप में रु. 0.44 लाख का ब्योरा दिया। तथापि वर्ष 2010–11 से 2019–20 तक ब्याज की राशि की गणना नहीं की गई और 31 मार्च, 2021 को समाप्त अवधि के लिए वार्षिक लेखे में इसे अलग से नहीं दर्शाया गया। एन सी एफ को 2019–20 तक या आज की तिथि तक ब्याज की राशि की गणना करनी चाहिए और उसे लेखा परीक्षा को सूचित करते हुए संबंधित प्राधिकारी को लौटाना चाहिए।

ग. सहायता अनुदान

एन सी एफ को रु. 19.50 करोड़ की एकमुश्त कॉरपस निधि द्वारा वित्त पोषित किया गया। वर्ष 2020–21 के प्रारंभ में एन सी एफ के पास रु. 53.74 करोड़ की कॉरपस निधि थी। इसने वर्ष के दौरान निधि के निवेश पर रु.2.85 करोड़ ब्याज अर्जित किया। इसे वर्ष के दौरान रु. 0.12 करोड़ (रु. 0.07 करोड़ + 0.05 करोड़) की विविध प्राप्ति हुई। उपलब्ध रु. 2.97 करोड़ निधियों में से इसने रु. 0.35 करोड़ का उपयोग किया और रु. 2.62 करोड़ के अव्ययित शेष को कारपस निधि में अंतरित कर दिया। वर्ष के अंत में एन सी एफ के पास रु. 56.36 करोड़ (53.73 करोड़ + 2.62 करोड़) की कारपस निधि थी।

घ. प्रबंधन पत्र

जिन त्रुटियों को लेखा परीक्षा में शामिल नहीं किया गया है, उसे उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी किए गए प्रबंधन पत्र के जरिए एन सी एफ के ध्यान में लाया गया है।

v. पूर्ववर्ती पैरा में हमारी टिप्पणियों के अध्यधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा डील किया गया तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा लेखा बहियों के अनुरूप है।

vi. हमारी राय में और हमारी अधिकतम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर नोटों के साथ पठित और ऊपर कथित महत्वपूर्ण मामलों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन यह लेखा परीक्षा रिपोर्ट भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सत्य और ठीक तस्वीर पेश करता है :

(क) जहां तक कि इसका संबंध 31 मार्च, 2021 को राष्ट्रीय संस्कृति निधि की कार्य स्थिति के तुलन पत्र से है, और

(ख) जहां तक इसका संबंध उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अतिरेक के आय एवं व्यय लेखा से है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
के लिए और उनकी ओर से

ह0/–
5.5.2022
(प्रवीर पांडे)
महालेखा परीक्षक
(गृह, शिक्षा एवं कौशल विकास)

स्थान : नई दिल्ली

तिथि :

अनुबंध

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

    - इसकी स्थापना से एन सी एफ की आंतरिक लेखा परीक्षा का आयोजन नहीं किया गया।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

    - एनसीएफ के अंतर्गत 42 परियोजनाएं थीं, जिसके लिए अलग बैंक खाते रखे गए थे। लेखा परीक्षा ने नोट किया कि इन परियोजनाओं में से 20 में कोई खर्च नहीं हुआ है, जिसमें अप्रैल 2017 तक रु. 2.96 करोड़ शेष थे (संलग्नक संलग्न है)।
    - बाह्य लेखा परीक्षा आपत्तियों पर प्रबंधन का प्रत्युत्तर प्रभावकारी नहीं है, क्योंकि वर्ष 2002–03 से 2016–17 की अवधि में 38 निरीक्षण रिपोर्ट पैरे बकाए थे।
    - एनसीएफ ने रु. 63.98 करोड़ की नियत जमाओं के लिए निवेश रजिस्टर नहीं बनाया।
    - एन सी एफ ने अपनी स्थापना से उप–नियम नहीं बनाए थे।

3. परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

    - मार्च 2021 तक स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन आयोजित किया गया है। भौतिक सत्यापन रिपोर्ट लेखा परीक्षा को प्रस्तुत नहीं किया गया। एन सी एफ ने फॉर्म जीएफआर 40 में स्थायी परिसंपत्ति रजिस्टर नहीं बनाया है और लेखा परीक्षा को केवल एक छपा हुआ विवरण दिया गया।

4. वस्तु सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

    - मार्च, 2021 तक लेखन सामग्री और उपभोग्य मदों का भौतिक सत्यापन आयोजित किया गया है। तथापि, एन सी एफ ने लेखा परीक्षा को कोई भौतिक सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किया।

5. सांविधिक बकायों के भुगतान में नियमितता

    - 31.03.2021 को सांविधिक बकायों के संबंध में छह माह से अधिक का कोई भुगतान बकाया नहीं था।

प्रबंधन पत्र का अनुबंध

1. तुलन पत्र की अनुसूची–11 के अनुबंध । के अनुसार, रु. 63.98 करोड़ की राशि का एफडीआर (रु. 13.64 करोड़ परियोजना खातों से और रु. 50.78 करोड़ एनसीएफ प्रधान कार्यालय से) किया गया, जिसके लिए एनसीएफ द्वारा नियत जमा रजिस्टर नहीं बनाया गया। नियत जमाओं को उनकी परिपक्वता अवधि के अनुसार निवेश या चालू परिसंपत्तियां माना जाए। अतः एक नियत परिसंपत्ति रजिस्टर नियत जमाओं, चाहे अल्पकालिक हो या दीर्घकालिक, में इसके निवेश पर नजर रखने में सहायता कर सकता है।

2. लेखाओं के प्रपत्र के अनुसार संविदात्मक कर्मचारियों के भुगतान को अन्य प्रशासनिक खर्च न कि स्टाफ भुगतान (स्थापना व्यय) में के अंतर्गत दर्शाया जाना है। एनसीएफ ने संविदात्मक स्टाफ (एनसीएफ के पास केवल सभी संविदात्मक स्टाफ हैं) के लिए अन्य वेतन एवं मजदूरी के अंतर्गत रु. 9,06,388/– का खर्च बुक किया। इसे सुधार किए जाने की आवश्यकता है।

3. चालू परिसंपत्तियां, ऋण एवं अग्रिमें में रु. 3.91 लाख की विविध देनदारी शामिल है, जो 2013 से लंबित था। न तो अति देय देनदारों की पुनरीक्षा की गई और न ही लेखे में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।

4. बाल अकादमी परियोजना, दुर्गापुर के अंतिम शेष को बैंक प्रमाणपत्र के अनुसार रु. 144462, अनुसूची 3 के अनुबंध के अनुसार रु. 144572 दर्शाया गया है, जबकि इसे लेखाओं में अनुसूची 11क के अनुबंध 1 में रु. 144712 दर्शाया गया है। उसी परियोजना के मूल्यों के बीच अंतर को समाधान किए जाने की आवश्यकता है।

5. तुलन पत्र की अनुसूची 3 के अनुसार एनसीएफ के अंतर्गत 42 परियोजनाएं थीं, जिसके लिए अलग बैंक खाते रखे गए थे। लेखा परीक्षा ने नोट किया कि 42 परियोजनाओं में से केवल 23 परियोजनाएं चालू थीं और बॉकी 31.03.2021 तक पूरी हो चुकी थीं। पूर्ण परियोजनाओं के खाते को पुनरीक्षित किए जाने की आवश्यकता है और खातों में सुस्त पड़ी राशि को संबंधित परियोजना/प्रायोजक को वापस किया जाए।

6. न्यू स्पेस इंडिया लि. और एक व्यक्ति से प्राप्त क्रमशः रु. 5,00,000/– और रु. 500/– की राशि बिना किसी उद्देश्य के हैं। निधि को सुस्त रखने के बजाय, इसे एनसीएफ को समनुदेशित मुख्य कार्यकलापों के लिए प्रयुक्त किए जाने की आवश्यकता है।

7. रमण महर्षि केंद्र परियोजना के इंडियन बैंक में रु. 1144/– की राशि को बैंक द्वारा एनसीएफ को बिना कोई औचित्य दिए प्रधान कार्यालय को अंतरित कर दिया गया।

विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार
एक्स वी–5352/ए (प्रथम तल)
शोरा कोठी, पहाड़गंज,
नई दिल्ली–110055
टेलीफोन : 23562736, 23586782
टेली./फैक्स : 23586782

लेखा परीक्षक का रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय संस्कृति निधि के संलग्न तुलन पत्र और उसी तिथि के अनुसार प्राप्ति एवं भुगतान लेखा और आय एवं व्यय लेखा की लेखा परीक्षा की है और रिपोर्ट करते हैं कि :

क) हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के लिए अनिवार्य थे।

ख) हमारी राय में सोसायटी द्वारा विधि द्वारा यथा अपेक्षित उपयुक्त लेखा बहियां रखी गई हैं, जहां तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से पता चलता है।

ग) इस रिपोर्ट में संदर्भित तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखा लेखा बहियों के अनुरूप है।

घ) हमारी राय में और हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखाओं पर नोटों के साथ पठित और ऊपर कथित लेखाएं सत्य और ठीक तस्वीर पेश करता है :

i) 31 मार्च, 2021 को एसोसिएशन के कार्य स्थिति के तुलन पत्र के मामले में है,

ii) उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए निधियों के व्यय के ऊपर अतिरेक के आय एवं व्यय के मामले में है,

iii) उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए नकदी के संचलन के प्राप्ति एवं भुगतान लेखा के मामले में है।

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

(भागीदार)

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 24 नवंबर 2021

फॉर्म 10

(नियम 17 देखें)

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11(2)/10(23ग)(**iv**) के तहत मूल्यांकन अधिकारी/निर्धारित प्राधिकारी को सूचना

सेवा में

मूल्यांकन अधिकारी
न्यास सर्कल
लक्ष्मी नगर
नई दिल्ली

महोदय,

मैं, अजय यादव, सदस्य सचिव, राष्ट्रीय संस्कृति निधि की ओर से एतद्द्वारा आपकी सूचना में यह लाता हूँ कि कार्यकारी समिति द्वारा पारित संकल्प द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मूल्यांकन वर्ष 2021–22 के संगत पिछले वर्ष के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि की आय में से पिछले वर्ष के अंत तक उपलब्ध राशि रु. 2,97,28,014 को 31 मार्च 2026 को अंत होने वाले वर्ष तक अलग से संचयित कर दिया जाए, ताकि निधि की निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए शासी निकाय पर्याप्त निधियां संचयित करने में समर्थ हो सके :

क. सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण, अनुरक्षण, संवर्धन, रक्षण, परिरक्षण एवं पुनर्वास में संलग्न कलात्मक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी समस्याओं से संबंधित अध्ययन शुरू करना।

2. प्रत्येक पूर्व वर्ष के अंत से शुरू करके छह माह के समाप्त होने से पहले, इस तरह से संचयित एवं अलग से रखी गई राशि को धारा 11 की उपधारा (5) में विहित किसी एक अधिक रूपों या विधियों में निवेश या जमा किया गया है।

3. ऐसी संचयित या अलग से रखी गई राशि के निवेश और उपयोग का विवरण, यदि कोई हो, के साथ निधि के वार्षिक लेखा की प्रतियों को प्रत्येक संगत वर्ष की समाप्ति के प्रारंभ से छह माह की अवधि बीतने से पहले आपको प्रस्तुत कर दी जाएगी।

4. यह अनुरोध है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11(2)/10(23ग)(iv) में निहित शर्तों को हमारे अनुपालन के मद्देनजर उक्त धारा का लाभ ऊपर यथा उल्लिखित संचयित या अलग से रखी गई राशि के संबंध में संस्थान की आय में छूट देकर निधि के मूल्यांकन में दिया जाए।

अजय यादव
सदस्य सचिव
राष्ट्रीय संस्कृति निधि
संस्कृति मंत्रालय
5वीं मंजिल, पुरातत्व भवन
डी–ब्लॉक, जीपीओ कंपलेक्स
आई.एन.ए., नई दिल्ली–110023

नाम : राष्ट्रीय संस्कृति निधि
दर्जा : न्यास/निवासी
मूल्यांकन वर्श : 2021–22
पूर्व वर्श : 31–03–2021
पैन : एएएटीएन4595एम
सर्कल : सर्कल– ।।
निगमन की तिथि : 28.11.1996
बैंक/शाखा : कैनरा बैंक, जनपथ/नई दिल्ली
बैंक खाता : 3525101000627

राशि (रु. में)

वर्ष के दौरान सकल प्राप्ति		
आय एवं व्यय लेखा के अनुसार सकल प्राप्ति		29,728,014
घटाः सकल प्राप्ति के 15 प्रतिशत की सीमा तक धारा 10(23ग)(iv) के तहत् छूट		4,459,202
कुल (क)		25,268,812
घटाः वर्ष के दौरान निधियों का अनुप्रयोग		
आय एवं व्यय लेखा के अनुसार कुल व्यय	3,525,830	
घटा : भुगतान किया गया आयकर शास्ति		
घटाः आय एवं व्यय लेखा को प्रभारित ह्रास	258,457	
	3,267,333	
जोड़ : वर्ष के दौरान किया गया पूंजीगत व्यय	50,187	3,317,520
वर्ष का निबल भोश		21,951,292
कर योग्य आय		21,951,292
कुल आय		21,951,292
कुल आय पर कर		—
जोड़ : 4 प्रतिशत की दर से ईसी एवं एसएचईसी		—
कुल देय कर		—
घटा : टीडीएस		1,486,100
भोश देय/(वापसी)		(1,486,100)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

कार्पस / पूंजीगत निधि तथा देयताएं	अनुसूची	31.03.2021	31.03.2020
कार्पस / पूंजीगत निधि	1	56,36,01,716	53,73,99,532
रिजर्व एवं अतिरेक	2	-	-
उद्दिष्ट / वृत्तिदान निधि	3	18,12,22,798	18,21,88,106
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित ऋण देयताएं	6	-	-
चालू देयताएं और प्रावधान	7	34,10,939	33,99,891
कुल		**74,82,35,453**	**72,29,87,529**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	8	17,55,901	19,64,211
निवेश –उद्दिष्ट / वृत्तिदान निधि से	9	-	-
निवेश – अन्य	10	-	-
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	11	74,64,79,552	72,10,23,318
विविध खर्च (बट्टे खाते में नहीं डाला गया या समायोजित नहीं की गई सीमा तक)		-	-
कुल		**74,82,35,453**	**72,29,87,529**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24		
आकस्मिक देयताओं और लेखाओं पर टिप्पणियां	25		

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

समसंख्यक तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्टानुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

विपुल कुमार
(भागीदार)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 24.11.2021

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

(सदस्य सचिव)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2021 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	31.03.2021	31.03.2020
बिक्री/सेवाओं से आय	12	-	-
अनुदान एवं सहायिकी	13	5,00,500	-
शुल्क/अंशदान	14		-
निवेश से आय (निधियों में नहीं अंतरित उद्दिष्ट निधियों से निवेश पर आय)	15		-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16		-
अर्जित ब्याज	17	2,85,52,514	3,27,07,944
अन्य आय	18	6,75,000	1,85,08,078
तैयार मालों के भंडार में वृद्धि/(कमी) और प्रगति में कार्य	19		-
कुल (क)		**2,97,28,014**	**5,12,16,022**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	10,04,518	22,99,454
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	22,60,695	32,72,629
अनुदान, सहायिकी आदि पर व्यय	22	-	
ब्याज	23	2,120	2,504
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में निवल कुल योग – अनुसूची 8 के अनुरूप)		2,58,497	2,89,684
कुल (ख)		**35,25,830**	**58,64,271**
व्यय की तुलना में अधिक आय के कारण शेष (क – ख)		2,62,02,184	4,53,51,751
विशेष आरक्षित निधि में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)			
सामान्य आरक्षित निधि को/से अंतरण			
अधिक/कम शेष जो कार्पस/पूंजीगत निधि में ले जाया गया		2,62,02,184	4,53,51,751
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24	-	-
आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियां	25	-	-

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट
समसंख्यक तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्टानुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

विपुल कुमार
(भागीदार)
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 24.11.2021

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

(सदस्य सचिव)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 – कार्पस/पूंजीगत निधि	31.03.2021		31.03.2020	
वर्ष के प्रारंभ में शेष		53,73,99,532		49,20,47,781
जोड़ें – कार्पस/पूंजीगत निधि में अंशदान	-		-	
जोड़ें/(घटाए) – आय और व्यय लेखा से अंतरित निवल आय/(व्यय) का शेष	2,62,02,184		4,53,51,751	
घटाएं : अलग संयुक्त बैंक खाते में अंतरित राशि		2,62,02,184		4,53,51,751
वर्ष के अंत में शेष		**56,36,01,716**		**53,73,99,532**

अनुसूची – 2 – रिजर्व एवं अतिरेक	चालू वर्ष		गत वर्ष	
1. पूंजीगत रिजर्व				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व :				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
3. विशेष रिजर्व :				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
4. सामान्य रिजर्व :				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिदष्ट/वृत्तिदान निधि

निधि–वार ब्यौरा

(राशि रुपयों में)

	बाल अकादमी परियोजना, दुर्गापुर	हुमायूं का मकबरा परियोजना, दिल्ली	जंतर मंतर परियोजना, दिल्ली	ज्ञान प्रवाह परियोजना, कोलकाता	किष्किन्धा ट्रस्ट परियोजना
चालू वर्ष	1	2	3	4	5
क. निधि का प्रारंभिक शेष	1,42,461	22,513	8,70,136		63,094
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-		-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय					
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	2,111	619	24,697	-	1,919
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-		-	-	-
प्राप्त मंच किराया	-	-	-		
कुल (ख)	2,111	619	24,697	-	1,919
कुल (क+ख)	1,44,572	23,132	8,94,833	-	65,013
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-		-	
– परियोजना व्यय	-	-	-		
कुल	-				
कुल (ग)	-	-	-		-
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	1,44,572	23,132	8,94,833 -	-	65,013
निधियों का योग	1,44,572	23,132	8,94,833	-	65,013
गत वर्ष	1	2	3	4	5
क) निधि का प्रारंभिक शेष	1,37,687	21,763	8,42,757	12,013	60,978
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-		-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	4,774	750	27,379	-	2,116
III. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-		-	-	-
प्राप्त मंच किराया	-	-	-		
कुल (ख)	4,774	750	27,379	-	2,116
कुल (क+ख)	1,42,461	22,513	8,70,136	12,013	63,094
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-		-	
– परियोजना व्यय	-	-	-	12,013	-
कुल	-			12,013	
कुल (ग)					
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	-	-	-	12,013	-
	1,42,461 -	22,513 -	8,70,136 -	- -	63,094 -
निधियों का योग	1,42,461	22,513	8,70,136	-	63,094

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि

निधि–वार ब्यौरा

(राशि रुपयों में)

	रमण महर्षि परियोजना भाग–1	शनिवारवाड़ा, पुणे परियोजना	राजा दिनकर केलकर संग्रहालय परियोजना	डी. जी. जैसलमेर किला परियोजना	देवाहुति दामोदर स्वराज ट्रस्ट परियोजना
चालू वर्ष	6	7	8	9	10
क. निधि का प्रारंभिक शेष	1,144	19,32,694	6,40,178	5,33,90,797	40
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-		-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय				26,98,747	
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	51,957	15,952	67,233	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-	-	-	-
प्राप्त मंच किराया		-			
कुल (ख)		51,957	15,952	27,65,980	-
कुल (क+ख)	1,144	19,84,651	6,56,130	6,61,56,777	40
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	1,144				
– परियोजना व्यय		1,01,500		17,29,373	-
कुल	1,144	1,01,500		17,29,373	-
कुल (ग)	1,144	1,01,500	-	17,29,373	-
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	-	18,83,151	6,56,130	5,44,24,404	40
निधियों का योग	-	18,83,151	6,56,130	5,44,24,404	40
गत वर्ष	6	7	8	9	10
क) निधि का प्रारंभिक शेष	1,144	21,55,313	6,19,174	5,01,40,601	9,538
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-		-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय		70,108	21,004	32,50,786	383
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-	-	-	-
प्राप्त मंच किराया		-			
कुल (ख)		70,108	21,004	32,50,786	383
कुल (क+ख)	1,144	22,25,421	6,40,178	5,33,91,387	9,921
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय				590	
– परियोजना व्यय	-	2,92,727			9,881
कुल	-	2,92,727		590	9,881
कुल (ग)	-	2,92,727	-	590	9,881
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	1,144	19,32,694	6,40,178	5,33,90,797	40
		-	-	-	-
निधियों का योग	1,144	19,32,694	6,40,178	5,33,90,797	40

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि

निधि–वार ब्यौरा

(राशि रुपयों में)

	लोधी मकबरा परियोजना	लौरिया नंदनगढ़ परियोजना – बोकारो स्टील प्लान्ट	आलमबाज़ार मठ, कोलकाता परियोजना	हिडिम्बा देवी मंदिर परियोजना, मनाली	गोल गुंबद, बीजापुर–एस बी बी परियोजना
चालू वर्ष	11	12	13	14	15
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**37,24,547**	**34,46,810**	**99,83,105**	**8,78,123**	**14,659**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	10,000	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-	-	2,74,314	-	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	9,566	1,04,810	-	24,109	403
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-	-	-	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**9,566**	**1,04,810**	**2,84,314**	**24,109**	**403**
कुल (क+ख)	**37,34,113**	**35,51,620**	**1,02,67,419**	**9,02,232**	**15,062**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-				
– परियोजना व्यय		-			
कुल	-	-	-		-
कुल (ग)	-	-	-		-
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**37,34,113**	**35,51,620**	**1,02,67,419**	**9,02,232**	**15,062**
निधियों का योग	**37,34,113**	**35,51,620**	**1,02,67,419**	**9,02,232**	**15,062**
गत वर्ष	11	12	13	14	15
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**36,11,087**	**33,31,230**	**91,25,827**	**8,48,177**	**14,172**
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	1,13,460	1,15,580	8,57,278	29,946	487
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-	-	-	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**1,13,460**	**1,15,580**	**8,57,278**	**29,946**	**487**
कुल (क+ख)	**37,24,547**	**34,46,810**	**99,83,105**	**8,78,123**	**14,659**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-				
– परियोजना व्यय		-			
कुल	-	-	-		-
कुल (ग)					
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	-	-	-		-
	37,24,547	**34,46,810**	**99,83,105**	**8,78,123**	**14,659**
	-				
निधियों का योग	**37,24,547**	**34,46,810**	**99,83,105**	**8,78,123**	**14,659**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि

निधि–वार ब्यौरा

(राशि रुपयों में)

	वज़ीरपुर का गुंबद – पी ई सी परियोजना	तुगलकाबाद किला परियोजना	हम्पी फाउंडेशन परियोजना	इंडियन ऑयल फाउंडेशन परियोजना	किशोरी अमोनकर पर वृत्तचित्र परियोजना
चालू वर्ष	16	17	18	19	20
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**1,66,784**	**1,18,031**	**3,21,779**	**15,09,457**	**14,213**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-		
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-		-	-	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	4,582	-	9,934	41,474	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-		-	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**4,582**	-	**9,934**	**41,474**	-
कुल (क+ख)	**1,71,366**	**1,18,031**	**3,31,713**	**15,50,931**	**14,213**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-		-
– परियोजना व्यय			-	-	-
कुल	-		-	-	-
कुल (ग)	-		-	-	
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**1,71,366**	**1,18,031**	**3,31,713**	**15,50,931**	**14,213**
निधियों का योग	**1,71,366**	**1,18,031**	**3,31,713**	**15,50,931**	**14,213**
गत वर्ष	16	17	18	19	20
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**1,61,422**	**1,18,031**	**3,10,759**	**38,80,00,249**	**14,213**
ख) निधि में परिवर्धन					
I. दान/अनुदान	-	-	-		
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	5,362		11,020	79,48,641	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-		-	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**5,362**	-	**11,020**	**79,48,641**	-
कुल (क+ख)	**1,66,784**	**1,18,031**	**3,21,779**	**39,59,48,890**	**14,213**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-		-
– परियोजना व्यय			-	39,44,39,433	-
कुल	-		-	**39,44,39,433**	-
कुल (ग)	-		-	**39,44,39,433**	
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**1,66,784**	**1,18,031**	**3,21,779**	**15,09,457**	**14,213**
निधियों का योग	**1,66,784**	**1,18,031**	**3,21,779**	**15,09,457**	**14,213**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि

निधि–वार ब्यौरा

(राशि रुपयों में)

	हज़ारद्वारी, मुर्शिदाबाद परियोजना	नीरस न्यास परियोजना	एन सी एफ – एन टी पी सी परियोजना	श्रीमती मृणालिनी साराभाई पर फिल्म की परियोजना	ओ एन जी सी – राष्ट्रीय संग्रहालय परियोजना
चालू वर्ष	21	22	23	24	25
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**12,56,706**	**16,00,301**	**20,95,383**	**18,77,276**	**531**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	70,699	93,802	2,65,142	1,607	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-		-	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**70,699**	**93,802**	**2,65,142**	**1,607**	-
कुल (क+ख)	**13,27,405**	**16,94,103**	**23,60,525**	**18,78,883**	**531**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	649	649	649	531
– परियोजना व्यय	-		14,50,569		-
कुल	**649**	**649**	**14,51,218**	**649**	**531**
कुल (ग)	**649**	**649**	**14,51,218**	**649**	**531**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**13,26,756**	**16,93,454**	**9,09,307**	**18,78,234**	-
निधियों का योग	**13,26,756**	**16,93,454**	**9,09,307**	**18,78,234**	-
गत वर्ष	21	22	23	24	25
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**11,87,104**	**15,07,262**	**19,77,449**	**16,67,920**	**5,900**
ख) निधि में परिवर्धन					
I. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	70,251	93,688	1,18,583	2,10,005	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-		-	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**70,251**	**93,688**	**1,18,583**	**2,10,005**	-
कुल (क+ख)	**12,57,355**	**16,00,950**	**20,96,032**	**18,77,925**	**5,900**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	649	649	649	5,369
– परियोजना व्यय	-				-
कुल	**649**	**649**	**649**	**649**	**5,369**
कुल (ग)	**649**	**649**	**649**	**649**	**5,369**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**12,56,706**	**16,00,301**	**20,95,383**	**18,77,276**	**531**
निधियों का योग	**12,56,706**	**16,00,301**	**20,95,383**	**18,77,276**	**531**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि

निधि–वार ब्यौरा

(राशि रुपयों में)

	शैव प्रतिष्ठान परियोजना	एस एस आर वी एम पुराना पुष्कर परियोजना	एस बी आई महाबलीपुरम् परियोजना	अहोम स्मारक परियोजना	इंडिया फोटो अभिलेख प्रतिष्ठान परियोजना
चालू वर्ष	26	27	28	29	30
क. निधि का प्रारंभिक शेष	4,91,802	49,226	4,62,643	2,15,04,183	84,447
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय		-	23,047	7,31,881	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	1,554
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)					-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	-	-	23,047	7,31,881	1,554
कुल (क+ख)	4,91,802	49,226	4,85,690	2,22,36,064	86,001
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	649	649	649	649
– परियोजना व्यय	-	-	-		-
कुल	649	649	649	649	649
कुल (ग)	649	649	649	649	649
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	4,91,153	48,577	4,85,041	2,22,35,415	85,352
निधियों का योग	4,91,153	48,577	4,85,041	2,22,35,415	85,352
गत वर्ष	26	27	28	29	30
क) निधि का प्रारंभिक शेष	4,92,451	49,875	4,19,453	2,02,57,690	81,860
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय		-	43,839	12,47,142	3,236
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)					-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	-	-	43,839	12,47,142	3,236
कुल (क+ख)	4,92,451	49,875	4,63,292	2,15,04,832	85,096
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	649	649	649	649
– परियोजना व्यय	-	-	-		-
कुल	649	649	649	649	649
कुल (ग)	649	649	649	649	649
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	4,91,802	49,226	4,62,643	2,15,04,183	84,447
निधियों का योग	4,91,802	49,226	4,62,643	2,15,04,183	84,447

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि — निधि–वार ब्यौरा

(राशि रुपयों में)

	एन टी पी सी नागरिक सेवा मंडल परियोजना	बी सी एफ आर ई सी परियोजना	डुडको सुंदरवाला परियोजना	एन सी एफ एन टी पी सी जंतर मंतर परियोजना	श्रीमती उत्तरादेवी न्यास परियोजना
चालू वर्ष	31	32	33	34	35
क. निधि का प्रारंभिक शेष	4,35,536	3,20,210	4,66,615	78,747	2,29,578
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	20,00,000
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-	-	35,935	-	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	278	880	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-				
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	-	-	36,213	880	20,00,000
कुल (क+ख)	4,35,536	3,20,210	5,02,828	79,627	22,29,578
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	60	2,41,476	653	-	649
– परियोजना व्यय		-		-	
कुल	60	2,41,476	653	-	649
कुल (ग)	60	2,41,476	653	-	649
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	4,35,476	78,734	5,02,175	79,627	22,28,929
निधियों का योग	4,35,476	78,734	5,02,175	79,627	22,28,929
गत वर्ष	31	32	33	34	35
क) निधि का प्रारंभिक शेष	4,35,536	3,20,859	4,21,292	68,982	1,98,126
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-	-	46,562	10,355	32,101
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-		-	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-				
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	-	-	46,562	10,355	32,101
कुल (क+ख)	4,35,536	3,20,859	4,67,854	79,337	2,30,227
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	649	1,239	590	649
– परियोजना व्यय		-		-	
कुल	-	649	1,239	590	649
कुल (ग)	-	649	1,239	590	649
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	4,35,536	3,20,210	4,66,615	78,747	2,29,578
निधियों का योग	4,35,536	3,20,210	4,66,615	78,747	2,29,578

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि — निधि–वार ब्यौरा

(राशि रुपयों में)

	एन सी एफ नवेली लिग्नाइट परियोजना	एन सी एफ मेल एस एस एस परियोजना	एन सी एफ ओस्मानिया विश्वविद्यालय परियोजना	एन सी एफ सोनी इंडिया लि. परियोजना	एन सी एफ – आई एफ सी एल परियोजना
चालू वर्ष	36	37	38	39	40
क. निधि का प्रारंभिक शेष	20,53,143	34,80,334	12,29,362	62,05,021	5,60,93,977
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान		-	-	-	
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-	-	-	3,04,646	22,86,012
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	62,435	22,950	37,384	293	285
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)					
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	62,435	22,950	37,384	3,04,939	22,86,297
कुल (क+ख)	21,15,578	35,03,284	12,66,746	65,09,960	5,83,80,274
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	236	-
– परियोजना व्यय				43,41,258	23,76,178
कुल	-	-	-	43,41,494	23,76,178
कुल (ग)	-	-	-	43,41,494	23,76,178
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	21,15,578	35,03,284	12,66,746	21,68,466	5,60,04,096
निधियों का योग	21,15,578	35,03,284	12,66,746	21,68,466	5,60,04,096
गत वर्ष	36	37	38	39	40
क) निधि का प्रारंभिक शेष	19,84,867	31,00,911	11,88,708	60,44,832	5,81,81,458
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान		-	-	55,00,000	
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	68,866	3,81,230	41,244	6,99,154	32,26,317
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-		-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)					
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	68,866	3,81,230	41,244	61,99,154	32,26,317
कुल (क+ख)	20,53,733	34,82,141	12,29,952	1,22,43,986	6,14,07,775
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	590	1,807	590	-	-
– परियोजना व्यय				60,38,965	53,13,798
कुल	590	1,807	590	60,38,965	53,13,798
कुल (ग)	590	1,807	590	60,38,965	53,13,798
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	20,53,143	34,80,334	12,29,362	62,05,021	5,60,93,977
निधियों का योग	20,53,143	34,80,334	12,29,362	62,05,021	5,60,93,977

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि

निधि–वार ब्यौरा

(राशि रुपयों में)

	एन बी सी सी इंडिया परियोजना	परियोजना बैंक	कुल
चालू वर्ष	41	40	
क. निधि का प्रारंभिक शेष	7,59,333	41,73,187	18,21,88,106.00
ख. निधि में परिवर्धन			
i. दान/अनुदान			20,10,000.00
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-	-	67,85,832.00
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	2,903		4,88,328.00
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-		-
प्राप्त मंच किराया	-		-
कुल (ख)	2,903		92,84,160.00
कुल (क+ख)	7,62,236	41,73,187	20,14,72,266.00
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय			
– अन्य प्रशासनिक व्यय			2,50,590.00
– परियोजना व्यय	-		99,98,878.00
कुल			1,02,49,468.00
कुल (ग)			1,02,49,468.00
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	7,62,236	41,73,187	18,12,19,798.00
			-
निधियों का योग	7,62,236	41,73,187	18,12,19,798.00
गत वर्ष	41	40	
क) निधि का प्रारंभिक शेष	7,54,602	41,73,187	56,40,56,459.00
ख) निधि में परिवर्धन			
i. दान/अनुदान			55,00,000
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	4,731	-	1,87,56,378.00
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-		-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-		-
प्राप्त मंच किराया	-		-
कुल (ख)	4,731		2,42,56,378.00
कुल (क+ख)			-
	7,59,333	41,73,187	58,83,12,837.00
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय			
– अन्य प्रशासनिक व्यय			17,914.00
– परियोजना व्यय	-		40,61,06,817.00
कुल			40,61,24,731.00
कुल (ग)			-
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)			40,61,24,731
	7,59,333	41,73,187	18,21,88,106.00
			-
निधियों का योग	7,59,333	41,73,187	18,21,88,106.00

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	निधि वार ब्यौरा				
	निधि डब्ल्यू डब्ल्यू	निधि एक्स एक्स	निधि वाई वाई	31.03.2021	31.03.2020
क) निधि का आरंभिक शेष				18,21,88,106	56,40,56,459
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान				20,10,000	55,00,000
ii. निधियों में से किए गए निवेशों से आय				67,85,832	1,87,56,378
iii. अन्य परिवर्धन (स्वरूप का उल्लेख करें)				4,88,328	-
कुल (ख)				92,84,160	2,42,56,378
कुल (क+ख)				19,14,72,266	58,83,12,837
ग) निधियों के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
i. पूंजीगत व्यय					
– स्थायी परिसंपत्तियां					-
– अन्य					-
योग					-
ii. राजस्व व्यय					
– वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि					-
– किराया					-
– अन्य प्रशासनिक व्यय				2,50,590	17,914
– परियोजना व्यय				99,98,878	40,61,06,817
योग				1,02,49,468	40,61,24,731
योग (ग)				1,02,49,468	40,61,24,731
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)				18,12,22,798	18,21,88,106

संलग्न अनुबंध के अनुसार

टिप्पणी :

1. अनुदानों से संबद्ध शर्तों पर आधारित संगत शीर्षों के अधीन प्रकटन किया जाएगा।
2. केन्द्रीय/राज्य सरकारों से प्राप्त योजना गत निधियां पृथक निधि के रूप में दर्शायी जाएगी और उन्हें किसी अन्य निधि के साथ नहीं मिलाया जाएगा।

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची –4 – सुरक्षित ऋण एवं उधार	31.03.2021		31.03.2020	
1. केन्द्र सरकार		-		-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)		-		-
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) सावधि ऋण	-		-	
ख) प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-	-	-	-
4. बैंक				
क) सावधि ऋण	-		-	
– प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-		-	
ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-		-	
– प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		-		-
6. डिबेंचर एवं बंध पत्र		-		-
7. अन्य (उल्लेख करें)		-		-
कुल		-		-
नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि				

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 5 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	31.03.2021	31.03.2020
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर एवं बंध पत्र	-	-
7. नियत जमाएं	-	-
8. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

अनुसूची – 6 – आस्थगित ऋण देयताएं	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क) पूंजी के गिरवी द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

	31.03.2021		31.03.2020	
अनुसूची–7 – चालू देयताएं एवं प्रावधान				
क. चालू देयताएं				
1. विविध ऋणदाता				
क) माल एवं सेवा के लिए		7,13,333		7,12,533
2. प्राप्त अग्रिम राशियां		4,62,051	4,62,051	4,62,051
3. सांविधिक देयताएं				
क) अन्य : जीएसटी देय परियोजनाएं		10,612		
ख) अन्य : जीएसटी		2,542		
ग) अन्य : टीडीएस देय		3,075	3,221	3,221
4. अन्य चालू देयताएं : अग्रिम धन				
: परियोजना को वापसी योग्य राशि	13,30,330		13,30,330	
: संदेय व्यय	1,47,240		1,50,000	
: राष्ट्रीय संग्रहालय को संदेय	7,42,475		7,42,475	
: संस्कृति मंत्रालय को संदेय	(719)	22,19,326	(719)	22,22,086
कुल (क)		**34,10,939**		**33,99,891**
ख. प्रावधान				
1. कराधान के लिए				-
कुल (ख)				-
कुल (क + ख)		**34,10,939**		**33,99,891**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्तियां विवरण		सकल खंड				मूल्यह्रास				निवल खंड	
	मूल्यह्रास दर	वर्ष के आरंभ में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के अंत में प्रारंभ	वर्ष के दौरान परिवर्धनों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक योग	चालू वर्ष के अंत में	गत वर्ष के अंत में
1 एयर कंडीशनर	15%	57,500	-	-	57,500	56,978	78	-	57,056	444	522
2 वाल्टेज स्टैब्लाइजर	15%	4,800	-	-	4,800	4,757	6	-	4,763	37	43
3 रेफ्रिजरेटर	15%	44,123	-	-	44,123	17,262	4,029	-	21,291	22,832	26,861
4 फर्नीचर मदें	10%	31,40,572	-		31,40,572	15,41,773	1,59,880	-	17,01,653	14,38,919	15,98,799
5 फोटो कॉपियर	15%	6,89,612	-	-	6,89,612	5,98,216	13,708	-	6,11,924	77,688	91,396
6 फैक्स मशीन	15%	35,900	-	-	35,900	30,768	770	-	31,538	4,362	5,132
7 कम्प्यूटर हार्डवेयर	40%	12,46,424	-	-	12,46,424	10,94,654	60,708	-	11,55,362	91,602	1,51,770
8 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	47,730		-	47,730	39,324	3,362	-	42,686	5,044	8,406
9 कार्यालय उपकरण	15%	96,300	50,187		1,46,487	15,018	15,956		30,974	1,15,519	81,282
चालू वर्ष का योग		53,62,961	50,187	-	54,13,148	33,98,750	2,58,497	-	36,57,247	17,55,901	19,64,211
गत वर्ष		52,11,971	1,50,990	-	53,62,961	31,09,066	2,89,684	-	33,98,750	19,64,211	21,02,905
(उपर्युक्त में शामिल भाड़ा – खरीद आधार पर परिसम्पत्तियों की लागत के बारे में दी जाने वाली टिप्पणी)											

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा निर्धारित लेखाकरण के नए लेखांकन फार्मेट की अपेक्षा का पालन करने के लिए स्थायी परिसंपत्तियों के समूहीकरण में परिवर्तन किया गया है।

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रु. में)

अनुसूची 9 — उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधियों से निवेश		31.03.2021	31.03.2020
1	सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3	शेयर	-	-
4	डिबेंचर एवं बॉण्ड	-	-
5	सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6	अन्य (विशिष्ट परियोजनाएं एफडीआर)		
	परियोजना ज्ञान प्रवाह – एफडीआर	-	-
	परियोजना चौ. चरण सिंह जन्म शताब्दी – एफडीआर	-	-
	परियोजना डी जी जैसलमेर – एफडीआर	-	-
	कुल	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रु. में)

अनुसूची 10 — निवेश – अन्य		31.03.2021	31.03.2020
1	सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3	शेयर	-	-
4	डिबेंचर एवं बॉण्ड	-	-
5	सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6	अन्य (उल्लेख किया जाए)	-	-
	कुल	-	-

अनुसूची 11–क का अनुबंध–1

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अंतिम शेष		(रुपये में) 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार		(रुपये में) 31.03.2020 की स्थिति के अनुसार	
रोकड़ शेष					
1 एन सी एफ – अंशदान				67	
विशिष्ट परियोजनाएं					
कुल 1					
बैंक शेष					
2 अनुसूचित बैंकों के बैंक शेष					
क) चालू खातों पर				-	
ख) मार्जिन राशि सहित जमा लेखा में					
एन सी एफ मुख्यालय					
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली				-	
पीएनबी बैंक, नई दिल्ली					
आई डी एफ सी बैंक, नई दिल्ली		17,34,25,956		31,26,24,065	
केनरा बैंक		-		-	
विशिष्ट परियोजनाएं		**33,35,88,342**		**15,73,58,372**	
सावधि जमा – परियोजनाएं		**13,27,90,242**	63,98,04,540	**13,63,97,107**	60,63,79,544
ग) बचत खाते में					
एन सी एफ मुख्यालय					
एन सी एफ, एल टी पी खाता सं. 1231					
आई डी एफ सी बैंक खाता सं. 7884		**63,769**		**61,859**	
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया		**5,51,390**		**5,15,242**	
आई डी बी आई बैंक – खाता सं. 0055		**63,42,477**		**61,72,872**	
केनरा बैंक खाता सं. 627		**42,75,893**		**41,32,491**	
		1,40,30,975		**2,68,49,283**	
			2,52,64,504		3,77,31,747
विशिष्ट परियोजनाएं					
बाल अकादमी परियोजना, दुर्गापुर				**1,42,351**	
हुमायूं का मक़बरा परियोजना		**23,132**		**22,513**	
जैसलमेर किला परियोजना – बैंक		**14,09,907**		1,87,138	
जंतर मंतर परियोजना		8,91,947		8,68,096	
किष्किन्धा न्यास परियोजना		65,013		63,094	
रमण महर्षि परियोजना – भाग–1				1,144	
राजा दिनकर केलकर संग्रहालय परियोजना		6,56,130		6,40,178	
शनिवारवाड़ा परियोजना		18,83,151		19,32,694	
आलमबाज़ार मठ परियोजना		1,02,67,419		99,83,105	
गोल गुम्बज़ परियोजना		15,062		14,659	
हिडिम्बा मंदिर परियोजना, मनाली		9,02,232		8,78,123	
वज़ीरपुर का गुम्बज़ परियोजना		1,71,366		1,66,784	
इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान परियोजना		15,50,931		15,09,457	
हम्पी प्रतिष्ठान परियोजना		3,31,713		3,21,779	
लोधी मक़बरा परियोजना		37,34,113		37,24,547	
एन बी सी सी परियोजना – भारत एक्सबीआई बैंक		1,08,572		1,05,669	
हज़ारद्वारी मुर्शिदाबाद परियोजना		96,248		96,897	
भारतीय फोटो अभिलेख परियोजना		50,669		51,318	
नौरस न्यास परियोजना		47,262		47,911	
एन सी एफ परियोजना – एन टी पी सी		30,033		26,576	
श्रीमती मृणालिनी साराभाई पर फिल्म परियोजना		96,246		96,895	
ओ एन जी सी रीच प्रतिष्ठान परियोजना		17,370		18,020	
एम एस आर वी एम (पुराना) पुष्कर परियोजना		48,485		49,135	
ओ एन जी सी अहोम स्मारक परियोजना		16,164		16,863	
एस सी एल महाबलीपुरम् परियोजना		69,105		69,754	
ओ एन जी सी राष्ट्रीय संग्रहालय परियोजना				531	
लौरिया नंदनगढ़ बोकारो परियोजना		35,51,620		34,46,810	
नागरिक सेवा मंडल परियोजना		4,35,476		4,35,536	
उत्तरादेवी चैरिटेबल परियोजना		20,19,753		20,451	
एस टी सी जंतर मंतर परियोजना		29,774		27,620	
हुडको कापट सुंदरवाला परियोजना		36,854		37,553	
भेल एस एस एस परियोजना		4,83,079		3,08,071	
एन सी एफ नवेली लिग्नाइट परियोजना		20,22,082		20,53,143	
आर ई सी परियोजना		18,361		23,176	
आई एफ सी एल परियोजना		353		22,584	
सोनी इंडिया लिमिटेड परियोजना		682		53,931	
जैसलमेर (नई) परियोजना		1,17,538		1,17,538	
ओस्मानिया विश्वविद्यालय परियोजना		12,66,746		12,29,362	
हुडको कापट प्रशिक्षण परियोजना		10,596		9,246	
परियोजना वौंग		41,73,187		41,73,190	
परियोजना नगदी एवं गैर दायित्व जमाएं		1,44,712			
		-	3,67,93,083	-	3,29,93,443
कुल 2			70,18,62,127		67,71,04,734
महायोग 1 + 2			70,18,62,127		67,71,04,734

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

अनुसूची 12 – बिकी/सेवाओं से आय		31.03.2021	31.03.2020
1	बिकी से आय		
	क. तैयार माल की बिकी	-	-
	ख. कच्चा माल की बिकी	-	-
	ग. स्कैप की बिकी	-	-
2	सेवाओं से आय		
	क. श्रम एवं प्रसंस्करण प्रभार	-	-
	ख. व्यावसायिक एवं परामर्शी सेवाएं	-	-
	ग. एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
	घ. अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)	-	-
	ङ. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
	कुल	-	

अनुसूची 13 – अनुदान/सहायिकी	31.03.2021	31.03.2020
(प्राप्त अटल अनुदान/सहायिकी)		
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार	-	-
3. सरकारी एजेंसियां	-	-
4. संस्थान/कल्याणकारी निकाय	-	-
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
6. अन्य : अनुदान	5,00,500	
कुल	5,00,500	

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

अनुसूची–14 शुल्क/अंशदान			31.03.2021	31.03.2020
1. प्रवेश शुल्क			-	-
2. वार्षिक शुल्क/अंशदान			-	-
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क			-	-
4. परामर्शी शुल्क			-	-
5. अन्य (उल्लेख करें)			-	-
कुल			-	-

	उद्धिष्ट से निवेश		निवेश अन्य	
अनुसूची–15 निवेशों से आय	31.03.2021	31.03.2020	31.03.2021	31.03.2020
1 ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
ख) अन्य बॉण्ड/डिबेंचर	-	-	-	-
2. लाभांश				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
ख) म्युचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
3 किराया	-	-	-	-
अन्य – परियोजनाओं से				
4 संबंधित नियत जमाएं	-	-	-	-
घटा : उद्दिष्ट/वृत्तदान निधि को हस्तांतरित		-		-
कुल उद्दिष्ट/वृत्तदान निधि को हस्तांतरित	-	-	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	31.03.2021	31.03.2020
1. रॉयल्टी से आय	-	-
2. प्रकाशन से आय	-	-
3. अन्य	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 17 – अर्जित ब्याज	31.03.2020	31.03.2020
1. सावधि जमाओं पर		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	2,75,54,870	3,16,56,644
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) अन्य		
2. बचत खातों पर		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	9,97,644	10,51,300
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खातें पर		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर		
क) कर्मचारी/स्टाफ		
ख) अन्य		
4. ऋणियों और अन्य प्राप्यों पर ब्याज		
कुल	2,85,52,514	3,27,07,944

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	31.03.2021	31.03.2020
1. परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ		
क) मालिकाना संपत्तियां	-	-
ख) अनुदानों से अर्जित या निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-	-
2. उगाही की गई निर्यात प्रोत्साहन	-	-
3. प्रशासनिक संवाओं के लिए शुल्क	6,75,000	1,85,05,000
4. विविध आय		3,078
कुल	**6,75,000**	**1,85,08,078**

अनुसूची 19 – तैयार मालों के भंडार और चल रहे कार्य में वृद्धि/(कमी)	31.03.2021	31.03.2020
क) अंतिम भंडार		
– तैयार माल	-	-
– चल रहा कार्य	-	-
ख) घटा : अंतिम भंडार	-	-
– तैयार माल	-	-
– चल रहा कार्य		
निबल वृद्धि/(कमी) (क–ख)	-	-

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	31.03.2021	31.03.2020
क) वेतन एवं मजदूरी	9,06,388	2299454
ख) भत्ते एवं बोनस	98,130	-
ग) भविष्य निधि में अंशदान	-	-
घ) अन्य निधि में अंशदान (उल्लेख करें)	-	-
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ पर खर्च	-	-
छ) अन्य : मानदेय	-	
कुल	**10,04,518**	**22,99,454**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपए में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय	31.03.2021	31.03.2020
क. मरम्मत तथा अनुरक्षण, कम्प्यूटर अनुरक्षण	34,933	7,07,775
ख. डाक खर्च, टेलीफोन, संचार	55,485	95,543
ग. मुद्रण एवं लेखन सामग्री	1,23,758	29,586
घ. यात्रा एवं परिवहन खर्चे	9,76,373	7,48,729
ङ व्यावसायिक प्रभार	2,83,200	2,48,790
च. कार्यालय खर्चे	24,400	1,21,834
छ. अनुवाद खर्चे	18,708	-
ज. विज्ञापन खर्चे		1,31,768
झ. संविदात्मक स्टाफ	6,43,838	11,38,604
ञ. लेखा परीक्षा शुल्क	1,00,000	50,000
कुल	**22,60,695**	**32,72,629**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपए में)

	31.03.2021	31.03.2020
अनुसूची 22 – अनुदान, सहायिकियों आदि व्यय		
क. अखिल भारतीय इतिहास संस्थान को दिया गया परियोजना अनुदान	-	
नालंदा, एएसआई स्थल के लिए एस्ट्रो लिंक को दिया गया अनुदान	-	
ख. संस्थाओं/संगठनों को दी गई सहायिकियां	-	-
कुल	-	-

	31.03.2021	31.03.2020
अनुसूची 23 – ब्याज		
क. बैंक प्रभार	254	1,504
ख. टी डी एस/आय कर पर शास्तियां	1,866	1,000
कुल	2,120	2,504

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2021 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	31.03.2021	31.03.2020	भुगतान	31.03.2021	31.03.2020
I. प्रारंभिक शेष			I. व्यय		
क) हाथ रोकड़	10,342	67	क) स्थापना व्यय	10,04,518	22,99,454
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय	22,49,647	36,92,014
i) जमा खातों में	60,63,79,544	57,65,77,533			
ii) बचत खातों में	7,07,25,190	44,33,03,848	II. निधियों में से किए भुगतान		
			अनुदान संबंधी व्यय	-	-
IV. प्राप्त ब्याज			उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	1,02,49,488	40,61,24,731
क. बैंक जमा राशियों पर	2,78,61,473	3,81,34,328			
			IV. स्थायी परिसंपत्तियों तथा सीडब्ल्यूआईपी पर व्यय		
V. अन्य आय (विशिष्ट उल्लेख करें)			क) स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद	50,187	1,50,990
दान/अनुदान	-	-			
	5,00,500		V. अधिशेष (सरप्लस) धन/ऋणों की वापसी		
VI. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)			क) भारत सरकार को	-	-
क. उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि					
निधियों में परिवर्धन	92,84,160	2,42,56,378	VI. वित्त प्रभार (ब्याज)	2,120	1,504
ख. विविध आय	6,75,000	1,85,08,078			
			VIII. अन्य भुगतान (उल्लेख करें)		1,13,96,463
			कर देय		
			भारत की निधि		
			जे पॉल गुट्टी		
			निरलोन प्रतिष्ठान न्यास		
			लीडरशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम		
			क) हाथ रोकड़	18,142	10,342
			ख) बैंक शेष		
			i) जमा खातों में	63,98,04,540	60,63,79,544
			ii) बचत खातों में	6,20,57,587	7,07,25,190
कुल	71,54,36,209	1,10,07,80,232	कुल	71,54,36,209	1,10,07,80,232

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट
हमारी संलग्न समसंख्यक रिपोर्ट के अनुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार
(फर्म पंजीकरण सं. 015053एन)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

विपुल कुमार (भागीदार)
एम. एन. : 094803
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 24.11.2021

-
(सदस्य सचिव)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

अनुसूची 24 एवं 25

तुलन पत्र और आय व व्यय लेखाओं के अभिन्न भाग के रूप में महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं संबंधी टिप्पणियां

क) उल्लेखनीय लेखांकन नीतियां

1. लेखांकन परंपरा

वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत परंपराओं एवं अन्य अनिवार्य लेखा मानदंडों के तहत् तैयार किया गया है।

2. स्थायी परिसंपत्तियां एवं मूल्यह्रास

क) स्थायी परिसंपत्तियों को संचित मूल्यह्रास घटाकर अर्जन की लागत पर दर्शाया गया है।

ख) स्थायी परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत निर्धारित दरों के अनुसार लिखित मूल्य विधि आधार पर विचार किया गया है।

ग) वर्ष के दौरान नियत संपत्ति में जोड़/से कटौती के संबंध में ह्रास पर समानुपातिक आधार पर विचार किया गया है।

3. लेखांकन पद्धति

न्यास अपने खातों को रोकड़ आधार पर रखता था, किन्तु केन्द्रीय स्वायत्त निकायों हेतु अपेक्षाओं को अनुपालित करने के क्रम में न्यास ने वित्त वर्ष 2001–02 के बाद से लेखांकन पद्धति के रोकड़ आधार को बदलकर प्रोद्भवन आधार को अपना लिया है।

4. राजस्व मान्यता

क) न्यास लेखांकन के प्रोद्भवन प्रणाली का अनुपालन कर रहा है और सभी राजस्वों को तब मान्यता दी जाती है, जब वह प्राप्ति के लिए देय हो जाता है तथा सभी व्ययों को तभी समाकलित किया जाता है जैसे ही वे भुगतान के लिए देय हो जाते हैं।

ख) विशिष्ट परियोजनाओं से आय/हानि को संबंधित परियोजना पूर्ण होने के वर्ष में मान्यता दी जाएगी।

5. निवेश

न्यास के पास लेखाओं के समरूप फॉर्मेट में विहित प्रकृति का कोई निवेश नहीं है (अनुसूची 9 एवं अनुसूची 10)

ख) आकस्मिक देयताएं

आकस्मिक देयताओं को लेखा–बहियों में नहीं दिया गया है, किन्तु उन्हें लेखा–नोट्स के रूप में प्रकट किया गया है।

ग) लेखाओं पर टिप्पणी

1. अनुसूची 1 में दी गई कॉर्पस/पूंजीगत निधि में मुख्यतः दो भाग हैं यथा–प्राथमिक कॉर्पस एवं द्वितीयक कॉर्पस। विवरण निम्नानुसार है :–

विवरण	प्राथमिक कॉर्पस (राशि रूपये में)	द्वितीयक कॉर्पस (राशि रूपये में)	कुल कॉर्पस
प्रारंभिक शेष	19,50,00,100.00	34,23,99,431.68	53,73,99,531.68
जोड़ – वर्ष के दौरान आय एवं व्यय लेखा से अंतरित आधिक्य	शून्य	2,62,02,184.00	2,62,02,184.00
	19,50,00,100.00	36,86,01,615.68	56,36,01,715.68

2. आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 क के तहत् छूट प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।

3. दिनांक 28.11.1996 की भारत का राजपत्र अधिसूचना के पैरा 15 के अनुसार, एनसीएफ को तुरंत अपेक्षित नहीं निधि की राशि को अल्पकालिक आधार पर सावधि जमाओं/सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमाणपत्रों में जमा करना होता है। तदनुसार, इन सावधि जमाओं को न्यास द्वारा "बैंक शेषों–जमा खाते" के अंतर्गत अनुसूची 11 में दर्शाए गए हैं।

4. जहां पर आवश्यक हुआ है वहां पर पिछले वर्ष के संगत आंकड़ों को पुनः समूहित/व्यवस्थित किया गया है।

5. अनुसूची 1 से 25, 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र और यथातिथि पर समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा के अभिन्न अंग के रूप में संलग्न हैं।

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

(भागीदार)

(सदस्य सचिव)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 24 नवंबर, 2021